22 अक्टूबर 2025

बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव को विकास का आदर्श मॉडल बनाउंगा : राहुल सिंह 2

देश की सुरक्षा में पुलिस और अर्धसैनिक बलों का है अहम योगदान : रक्षामंत्री

- प्रमुख नक्सली नेता हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे है

एजेंसी/नई दिल्ली

नक्सलवाद धीरे-धीरे इतिहास बनने की राह पर है। नक्सलियों के खिलाफ अभियान की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब प्रमुख नक्सली नेता हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। मौजूदा समय में देश की सुरक्षा के लिए पुलिस और सुरक्षा बल हर खतरे का सामना करने के लिए डटे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की सुरक्षा के साथ

पुलिस बलों को आधुनिक तकनीक की सुविधाओं से लैस करने का काम किया है। मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वर्ष 2018 में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना का मकसद शहीद पुलिसकर्मियों के योगदान का याद करने के लिए किया गया था। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि मौजूदा समय में पुलिस बल ड्रोन, सर्विलांस सिस्टम, फॉरेंसिक लैब और डिजिटल पोलिसिंग जैसे आधुनिक संसाधनों से लैस हो पाए हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में जहां पहले विकास के नाम पर कुछ नहीं था। वहां अब स्कूल, सड़कें और अस्पताल बन चुके हैं। रेड कॉरिडोर अब ग्रोथ कॉरिडोर बन चुका है। यह सफलता सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि पुलिस,अर्धसैनिक बलों और स्थानीय प्रशासन के सामूहिक प्रयास का नतीजा है।

सबका मिशन देश को विकसित राष्ट्र बनाना

रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना और पुलिस भले ही अलग-अलग मोर्चे पर काम करती है, लेकिन दोनों का मिशन राष्ट्र की रक्षा करना है। देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में मजबूत होना जरूरी है। मौजूदा समय में सीमा पर खतरा बना हुआ है और वहीं दूसरी ओर समाज के अंदर अपराध, आतंकवाद एवं वैचारिक युद्ध का खतरा लगातार नये स्वरूप में सामने आ रहा है। अपराध अब पहले से कहीं अधिक संगठित, अदृश्य व जटिल हो गए हैं, जिनका उद्देश्य समाज में अराजकता, आपसी विश्वास को कमजोर करना और राष्ट्र की सुरक्षा को चुनौती देना है। ऐसे में अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी के साथ-साथ समाज में विश्वास बनाए रखने के नैतिक दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए पुलिस बल भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है. नागरिक चैन की नींद सो पा रहे हैं, तो इसका श्रेय हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और सतर्क पुलिस कर्मियों को जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और स्थानीय प्रशासन के संगठित एवं ठोस प्रयासों ने नक्सलवाद के विस्तार से रोकने में निर्णायक भूमिका निभाई है। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि मौजूदा समय में पुलिस बल ड्रोन, सर्विलांस सिस्टम, फॉरेंसिक लैब और डिजिटल पोलिसिंग जैसे आधुनिक संसाधनों से लैस हो पाए हैं। रेड कॉरिडोर अब ग्रोथ कॉरिडोर बन चुका है. यह सफलता सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि पुलिस,अर्धसैनिक बलों और स्थानीय प्रशासन के सामूहिक प्रयास का नतीजा है।

अदालतों में गंदे वॉशरूम, सुप्रीम कोर्ट में सौंपी गई रिपोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

देश भर की अदालत परिसरों में गंदे वॉशरूम इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों के मौलिक अधिकारों और उनकी गरिमा का उल्लंघन है। विभिन्न हाई कोर्ट की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट में जजों, वकीलों, याचिकाकर्ताओं और अदालत के स्टाफ को भी इससे पीड़ितों के रूप में शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया है कि बड़े शहरों में हाई कोर्ट के शौचालयों तक की जो स्थिति है, वह फंड के आवंटन, मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट लागू करने और जवाबदेही तय करने में व्यवस्था और प्रशासनिक नाकामी दिखाती है। रिपोर्ट के मुताबिक स्टेटस रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट तक यह बात पहुंचाई गई है कि ज्यादातर कोर्ट थर्ड जेंडर को जेंडर न्यूट्रल वॉशरूम दिलवाने में नाकाम रहे हैं, जिससे उनके मौलिक अधिकारों और गरिमा को ठेस पहुंचती है। रिपोर्ट में सर्वोच्च अदालत को यह भी बताया गया है कि क्रेच और चाइल्ड केयर की सुविधाओं के अभाव में उन महिला वकीलों और कर्मचारियों के कार्यों पर नकारात्मक असर पड़ता है, जो मां हैं। इससे न्यायिक पेशे में लैंगिक समानता में एक रुकावट पैदा होती है। इसमें निचले स्तर पर विकास पर सबसे ज्यादा जोर देते हुए कहा गया है कि निचली अदालतों में तो इन समस्याओं की और भी ज्यादा भरमार है। रिपोर्ट में स्थानीय जरूरत के हिसाब से विशेष बजट के आवंटन, सुचारू जल आपूर्ति, प्लंबिंग और रोजाना सफाई के लिए ठेके दिए जाने पर भी फोकस करने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट से कहा गया है कि इन परिस्थितियों में न्यायिक अधिकारियों और स्टाफ का कार्य भी प्रभावित होता है और यह उनके स्वास्थ्य और दक्षता पर भी असर डालता है, साथ ही न्यायिक संस्था की गरिमा भी इससे गिरती है।

पटाखों की धुआं और प्रदूषण अब शहर की हवा में घुल चुका है

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद सांसों पर संकट, हवा में जहर घुला

- दीवाली के दूसरे ही दिन राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बन गई है

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, दिवाली के बाद दिल्ली की वायु गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आई और सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) का स्तर पिछले पांच वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। दिवाली के बाद के 24 घंटों में पीएम 2.5 की औसत सांद्रता 488 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गई, जो त्योहार से पहले के स्तर 156.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से तीन गुना से भी ज्यादा है। साल 2021 से 2025 की अवधि के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि दिवाली की रात और अगली सुबह के दौरान पीएम 2.5 का

मान लगातार बढ़ता रहा, और दिवाली के बाद 2025 में 488 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का स्तर 2021 के बाद से सबसे प्रदूषण वाला रहा। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली की रौनक बीती रात तक तो आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी से भरी थी, लेकिन आज सुबह का नजारा कुछ और ही था। पटाखों की धुआं और प्रदूषण अब शहर की हवा में घुल चुका है। दीवाली के दूसरे ही दिन राजधानी दिल्ली ह्यगैस चैंबरह्न बन गई है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी हो रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली की हवा इस समय ह्यबहुत खराबह्न से ह्यगंभीरह्न श्रेणी में पहुंच चुकी है। पूरे शहर का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 531 पर दर्ज किया गया है, जो बेहद खतरनाक स्तर माना जाता है।

कई इलाकों में स्थिति चिंताजनक

दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता बेहद चिंताजनक है। नरेला में आज सुबह एक्यूआई 551 दर्ज किया गया, जो पूरे एनसीआर में सबसे खराब है। अशोक विहार में 493, आनंद विहार में 394, आरके पुरम में 368 और आईटीओ पर 259 का एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम क्षेत्र के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक 317 पर रहा। दिल्ली से सटे नोएडा में भी हालात बहुत बेहतर नहीं हैं वहां एक्यूआई 369 है, जबकि गाजियाबाद में यह 402 तक पहुंच गया है, जो ह्यबहुत खराबह्न श्रेणी में आता है। सुबह की हवा में हल्की ठंडक के साथ जब लोग टहलने निकले, तो उन्हें सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। कई इलाकों में धुंध इतनी घनी थी कि कुछ मीटर आगे तक भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था। यह दृश्य न केवल दृश्यता घटा रहा है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है। दिल्ली में हवा का यह स्तर इतना खराब हो गया है कि डॉक्टरों ने बुजुर्गों, बच्चों और अस्थमा के मरीजों को घरों में रहने की सलाह दी है। कई अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान का दूसरा चरण लागू किया गया है। इसके तहत डीजल वाहनों के उपयोग पर रोक, निर्माण कार्यों पर सख्ती और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने जैसे नियम लागू किए जा रहे हैं। प्रशासन ने यह भी कहा है कि अगर हालात नहीं सुधरे, तो दो-तीन चरण भी लागू किया जा सकता है, जिसमें स्कूल बंद करने और निजी वाहनों के आवागमन पर पाबंदी जैसी सख्त कार्रवाइयां शामिल हैं। लोग सोशल मीडिया पर प्रदूषण को लेकर अपनी नाराजगी और चिंता जता रहे हैं।

बिहार में है कानून राज स्थापित : सीएम

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुजफ्फरपुर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मीनापुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश ने कहा कि जबसे उनकी सरकार बनी हैए बिहार में कानून का राज स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार में आने से पहले प्रदेश में भय और अराजकता का माहौल थाए लोग शाम के बाद घर से निकलने में डरते थे। लेकिन अब वह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले हिन्दू.मुसलमान के बीच बहुत लड़ाई होती थीए मंदिरों में रात में चोरी और गड़बड़ी की घटनाएं आम थीं।

लेकिन हमने सब बंद कराया। अब किसी तरह का डर या भय नहीं हैए शांति और सौहार्द का वातावरण है। विकास कार्यों का जिक्र करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य में शिक्षाए सड़कए रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अब तक 40 लाख से अधिक रोजगार उपलब्ध कराए हैं और अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ रोजगार देने का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों ने जनता के लिए कुछ नहीं कियाए न पढ़ाई का इंतजाम थाए न रोजगार की व्यवस्थाए हमने गांव.गांव तक सड़कें बनाईंए अस्पतालों को मजबूत किया और युवाओं को काम देने की दिशा में ठोस कदम उठाए। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पहले सत्ता में थेए उन्होंने कोई काम नहीं कियाए बस चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार जनता के विकास और प्रदेश की तरक्की के लिए निरंतर काम कर रही है और आने वाले दिनों में भी विकास का यह सिलसिला जारी रहेगा।

नवी मुंबई की बहुमंजिला इमारत में लगी आग, चार की मौत

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र के नवी मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां वाशी इलाके की एक बहुमंजिला इमारत में मंगलवार तड़के आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और दस अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने जानकारी दी कि मृतकों में दो महिलाएं, एक पुरुष और एक छह साल की बच्ची शामिल हैं। यह हादसा रहेजा रेसिडेंसी, एमजीएम कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 14 में हुआ। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग रात करीब 12:30 बजे 10वीं मंजिल के एक फ्लैट में लगी और देखते ही देखते 11वीं और 12वीं

मंजिल तक फैल गई। घायल लोगों को वाशी के दो अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मौके पर सूचना मिलते ही 40 दमकलकर्मी और 8 फायर ब्रिगेड गाड़ियां पहुंचीं और आग पर सुबह 4 बजे तक काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारण का पता अभी नहीं चल पाया है। जांच जारी है।

व्यापारिक इतिहास का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार

दिवाली पर देश में हुई 6.05 लाख करोड़ की रिकॉर्ड बिक्री

एजेंसी/नई दिल्ली

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने अपनी रिसर्च शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के आधार पर देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों, जिनमें सभी राज्यों की राजधानियां एवं टियर-2 और टियर-3 शहर शामिल हैं, पर आधारित विस्तृत दीपावली त्योहार बिक्री 2025 पर रिसर्च रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष दीपावली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ रुपये तक पहुंची है। इसमें 5.40 लाख करोड़ रुपये

का वस्तु व्यापार और 65 हजार करोड़ रुपये का सेवा व्यापार शामिल है। ये अब तक का देश के व्यापार इतिहास का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार है।दिल्ली के चांदनी चैक के सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि रिपोर्ट यह दशार्ती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीएसटी दरों में राहत और स्वदेशी अपनाने के श्मजबूत ब्रांड एंबेसडरश के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को अभूतपूर्व रूप से प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का श्वोकल फॉर लोकल और श्स्वदेशी दीपावलीश का आह्वान जनता के बीच गहराई से गूंजा। 87 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने भारतीय वस्तुओं को विदेशी वस्तुओं के मुकाबले प्राथमिकता दी। जिससे चीनी उत्पादों की मांग में तेज गिरावट दर्ज की गई। व्यापारियों ने बताया कि भारतीय निर्मित वस्तुओं की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़ी है। खंडेलवाल के अनुसार, दीपावली 2025 के आंकड़े पिछले वर्ष 4.25 लाख करोड़ की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ते हैं। मुख्य रूप से गैर-कॉरपोरेट एवं पारंपरिक बाजारों ने कुल व्यापार में 85 प्रतिशत योगदान दिया, जो भारतीय खुदरा बाजारों और छोटे व्यापारियों की शानदार वापसी को रेखांकित करता है।

गुल खिला सकते है महागठबंधन के नाराज कार्यकर्ता...

- **महागठबंधन के कार्यकताओं में इस बार देखी जा रही है गहरी नाराजगी, जिले के सभी**

केटी न्यूज/डुमरांव

विधान सभा चुनाव की रणभेरी बज गई है। सभी दल चुनाव जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रह है। इसके लिए प्रत्याशियों द्वारा हर हथकंडे अपनाए जा रहे है, लेकिन इस बार के चुनाव में महागठबंधन की राह मुश्किलों भरी साबित हो सकती है। बता दें कि पिछले चुनाव में जिले के सभी चार विधानसभा सीटों पर महागठबंधन के ही उम्मीदवार जीते थे। जिसमें बक्सर व राजपुर से कांग्रेस, ब्रह्मपुर से राजद तथा डुमरांव से माले ने एनडीए के प्रत्याशियों को मात दी थी। लेकिन, इस बार का चुनाव कुछ अलग ही नजर आ रहा है। खासकर एनडीए व महागठबंधन कार्यकताओं की बाडी लैंग्वेज इस चुनाव में अलग नजर आ रही है। एक तरफ इस चुनाव में एनडीए कार्यकर्ता अनुशासित व संगठित नजर आ रहे है तो दूसरी तरफ महागठबंधन में विखराव भी साफ देखा जा रहा है। चुनाव के ऐन समय यह विखराव महागठबंधन के प्रत्याशियों की मुश्किलें बढ़ा रही है। खासकर डुमरांव व बक्सर विस में महागठबंधन से नाराज कार्यकताओं की फेहरिश्त बढ़ते जा रही है। कार्यकताओं की सबसे अधिक नाराजगी डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिल रही है। जहां, माले के निवर्तमान विधायक डॉ. अजित कुमार के खिलाफ राजद कार्यकताओं ने एक तरफ से मोर्चा खोल दिया है। जानकारों का कहना है कि डुमरांव विस में कार्यकताओं की यह नाराजगी नई नहीं है, बल्कि पिछले दो-तीन वर्षों से राजद कार्यकर्ता डुमरांव में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। कई बार उनकी पीड़ा खुलकर बाहर भी आई, बावजूद राजद का प्रदेश नेतृत्व मौन साधे रहा। चुनाव के घोषणा के ऐन पूर्व डुमरांव में राजद कार्यकताओं ने एक बैठक का आयोजन किया था। बताया तो ये भी जा रहा है कि इस बैठक को खुद प्रदेश नेतृत्व ने बुलाया था, जिसमें राजद प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल आए थे। बताया जा रहा है कि वे नाराज कार्यकताओं को मनाने आए थे, लेकिन कार्यकर्ता उनके सामने यह तर्क दे बैठे थे कि डुमरांव की सीट राजद की है तथा यहां राजद के मतों से ही महागठबंधन प्रत्याशी को जीत मिली है। बैठक के दौरान नाराज कार्यकताओं को मनाने के बजाए राजद प्रदेश अध्यक्ष खुद भावनाओं में बह कार्यकताओं को यह आश्वासन दे दिए थे कि वे उनकी बात को प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचाएंगे, लेकिन कार्यकताओं की मांग पूरी नहीं हो सकी थी। राजद से जुड़े सूत्रों की मानें तो तब डुमरांव सीट पर राजद का प्रत्याशी देने या फिर माले से ही निवर्तमान विधायक को छोड़ किसी दूसरे को टिकट देने की मांग की गई थी, लेकिन राजद नेतृत्व ने इसे अस्वीकार्य कर एक तरह से नाराज कार्यकताओं के क्रोध को और भड़काने का काम किया था, जिसका परिणाम महागठबंधन प्रत्याशी के नामांकन के दौरान भी देखने को मिला था। महागठबंधन प्रत्याशी के नामांकन में राजद के स्थानीय नेता गायब थे। जाहिर है, उनकी नाराजगी कम नहीं हुई है।

दूसरी तरफ बक्सर व ब्रह्मपुर में एनडीए ने न सिर्फ अपने नाराज कार्यकताओं को मना लिया है, बल्कि बक्सर से निर्दलीय व ब्रह्मपुर से जनसुराज के टिकट पर नामांकन करने वाले नेताओं का नामांकन भी वापस करा लिया है। ऐसे में देखना है कि डुमरांव विधानसभा में महागठबंधन के सबसे प्रमुख दल राजद के नाराज कार्यकर्ता चुनाव में क्या गुल खिलाते है।

एनडीए की रणनीति बैठक में चुनावी बिगुल, डुमरांव से जीत की तैयारी में जुटा पूरा गठबंधन

डुमरांव को विकास का आदर्श मॉडल बनाउंगा : राहुल सिंह

- **राहुल सिंह बोले, यह लड़ाई सिर्फ मेरी नहीं, पूरे एनडीए परिवार की है**

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर एनडीए ने अब पूरी ताकत झोंक दी है। मंगलवार को डुमरांव नगर स्थित रॉयल बैंक्विट हॉल में एनडीए की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास) और अन्य सहयोगी दलों के जिला से लेकर वार्ड स्तर तक के सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य बक्सर जिले की चारों विधानसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की भारी जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस रणनीति बनाना था। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अब वक्त सिर्फ भाषण देने का नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सक्रियता दिखाने का है। हर बूथ, हर घर तक एनडीए की नीतियों को पहुंचाना ही जीत की कुंजी है।

उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता का लक्ष्य स्पष्ट होना चाहि। बक्सर जिले की चारों सीटों पर एनडीए की जीत। इसके लिए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करना जरूरी है। वार्ड से लेकर जिला तक के सभी पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएं।

जदयू ने राहुल सिंह को बताया ऊर्जावान और योग्य प्रत्याशी

जदयू जिला अध्यक्ष अशोक सिंह ने बैठक में कहा कि डुमरांव विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह एक युवा, ऊर्जावान और योग्य उम्मीदवार हैं, जिन्होंने सेवा की नौकरी छोड़ जनता की सेवा का मार्ग चुना है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में वकालत का अनुभव रखने वाले राहुल सिंह जनता के मुद्दों को गहराई से समझते हैं। डुमरांव की जनता को उनके नेतृत्व में विकास की नई राह मिलेगी। अब कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि वे घर-घर जाकर जनता को यह संदेश दें कि विकास का मतलब एनडीए है।

लोजपा (रामविलास) ने दिया एकजुटता से जीत का मंत्र

वहीं, लोजपा (रामविलास) के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि यह चुनाव किसी एक उम्मीदवार का नहीं, बल्कि पूरे एनडीए गठबंधन की विचारधारा और बिहार के विकास के विजन का चुनाव है। उन्होंने कहा कि एनडीए की नीतियों ने बिहार को विकास की दिशा दी है। अब इस विजन को और आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। हर गांव, हर घर तक जाकर लोगों को यह बताना होगा कि एनडीए ही स्थिर सरकार और विकास की गारंटी है।

कार्यकर्ताओं में दिखा जबदस्त उत्साह

बैठक के दौरान पूरे हॉल में जोश और उत्साह का माहौल दिखा। कार्यकताओं ने एनडीए विजय हो , डुमरांव में फिर विकास हो जैसे नारों से सभागार गुंजायमान कर दिया।

अंत में सभी दलों के नेताओं ने एक स्वर में कहा कि एनडीए की एकजुटता और जनता का विश्वास मिलकर इस बार बक्सर जिले की चारों सीटों पर विजय पताका फहराएगा।

राहुल सिंह ने भरी हुंकार यह लड़ाई पूरे परिवार की है

बैठक के अंत में एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह ने सभी कार्यकताओं को संबोधित किया। अपने ओजस्वी भाषण में उन्होंने कहा कि यह चुनाव किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे एनडीए परिवार की एकजुटता की परीक्षा है। उन्होंने कहा कि ह्लह्लयह लड़ाई सिर्फ राहुल सिंह की नहीं है, बल्कि हर उस कार्यकर्ता की है जो एनडीए के विजन पर भरोसा करता है। केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार ने जनता के विश्वास को बनाए रखा है, अब हमें मिलकर डुमरांव विधानसभा से इस विश्वास को और मजबूत बनाना है। उन्होंने बूथ स्तर पर मजबूत टीम गठन पर जोर देते हुए कहा कि जब हर बूथ पर कार्यकर्ता सक्रिय रहेगा, तभी जीत सुनिश्चित होगी। मैं जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दूंगा और डुमरांव को विकास का आदर्श मॉडल बनाऊंगा।

राजपुर विधानसभा के सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन ने की चुनावी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर विधानसभा क्षेत्र (संख्या202) के सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन (आईएएस) ने मंगलवार को जिले में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर की जा रही तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रेक्षक विवेकानंदन ने सबसे पहले जिला नियंत्रण कक्ष एवं निर्वाचन नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने सी-विजिल प्रकोष्ठ का निरीक्षण करते हुए प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया का अवलोकन किया और त्वरित कार्रवाई पर बल दिया। साथ ही एसएमसी प्रकोष्ठ में राजनीतिक विज्ञापनों, प्रेस विज्ञप्तियों एवं मीडिया निगरानी की व्यवस्था की समीक्षा की। प्रेक्षक ने जिले के सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और निष्पक्ष चुनाव को लेकर पारदर्शिता एवं सहयोग की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में आचार संहिता का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके उपरांत विवेकानंदन ने पुलिस अधीक्षक बक्सर से मुलाकात कर आगामी निर्वाचन के दौरान पुलिस बल की तैनाती एवं सुरक्षा प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि अति संवेदनशील और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

डुमरांव में विशेष मतदान व्यवस्था : सेना से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, हर वोट की गूंज सुनाई देगी

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इस बार डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में लोकतंत्र का उत्सव कुछ अलग अंदाज में नजर आने वाला है। चुनाव आयोग ने यहां मतदाताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसी विशेष व्यवस्थाएं की हैं, जो न सिर्फ मतदाता जागरूकता का प्रतीक हैं, बल्कि कोई मतदाता पीछे न छूटे अभियान को भी नई ऊर्जा दे रही हैं। इस क्षेत्र में कुल 2303 सेवा मतदाता (सर्विस वोटर) इस बार डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें सेना, अर्धसैनिक बलों और विभिन्न सरकारी विभागों में तैनात कर्मी शामिल हैं। चुनाव ड्यूटी या अन्य सेवाओं में तैनात ये कर्मी अपने कार्यस्थल से ही लोकतंत्र के इस पर्व में भाग ले सकेंगे। सहायक निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार पांडे ने बताया कि इन मतदाताओं को वैध बैलेट पेपर समय पर भेजे जा रहे हैं और 14 नवंबर सुबह 8 बजे तक प्राप्त मतपत्रों को ही मतगणना में शामिल किया जाएगा। इसके बाद आने वाले मतपत्रों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि हर वोट समय पर गिना जाए और प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। डुमरांव क्षेत्र की एक और विशेषता है कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर-घर मतदान की व्यवस्था। प्रशासन ने 85 वर्ष से अधिक आयु वाले 37 बुजुर्ग मतदाताओं को चिन्हित किया है, जिनके घर जाकर मतदान कराया जाएगा। पीठासीन पदाधिकारी (प्रिजाइडिंग ऑफिसर) और उनकी टीम इन मतदाताओं के निवास स्थान पर जाकर गोपनीय रूप से वोट डलवाएंगे। यह पहल न केवल बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए राहत भरी है, बल्कि उन्हें मतदान केंद्र तक आने की कठिनाई से भी मुक्त करेगी।अधिकारियों के अनुसार, सभी आवश्यक सूची तैयार कर ली गई है और मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी, क्योंकि कई बार शारीरिक असुविधा या दूरी के कारण बुजुर्ग मतदान से वंचित रह जाते थे। डुमरांव का मतदाता आधार काफी मजबूत है और इन विशेष प्रावधानों से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रशासन निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनाव को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सेना से लेकर वरिष्ठ नागरिक तक–हर मतदाता की आवाज इस बार गूंजेगी, क्योंकि डुमरांव तैयार है लोकतंत्र के इस महापर्व को नए अंदाज में मनाने के लिए।

नुक्कड़ नाटक के जरिए गूंजा मतदाता जागरूकता का संदेश
शुभम उज्जवल समिति ने बक्सर में जगाई लोकतंत्र की अलख

- **मतदान अधिकार नहीं, कर्तव्य भी है के संदेश के साथ कलाकारों ने दिया जनजागरण का संदेश, ग्रामीणों और युवाओं ने लिया 6 नवम्बर को मतदान का संकल्प**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर मतदाता जागरूकता अभियान अब रफ्तार पकड़ने लगा है। इसी क्रम में स्वीप कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बक्सर और चक्करहांसी क्षेत्र में शुभम उज्जवल समिति द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। समिति के कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय से लोगों को मतदान के महत्व से अवगत कराया और लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक वोट की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।नाटक के दौरान कलाकारों ने जनता को यह संदेश दिया कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य भी है। साथ ही यह भी रेखांकित किया गया कि हर वोट की कीमत है, क्योंकि एक वोट से ही बनता है लोकतंत्र मजबूत। समिति के सदस्यों ने व्यंग्य, संवाद और गीतों के माध्यम से मतदाताओं को यह समझाने की कोशिश की कि मतदान में भाग न लेना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना है। नाटक के दौरान दर्शकों में उत्साह देखने लायक था। ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने नाटक को गहरी रुचि से देखा और इस बार शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का संकल्प भी लिया। कई युवाओं ने कहा कि वे अपने परिवार और गांव के हर व्यक्ति को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने समिति के इस प्रयास की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम लोकतंत्र को जीवंत बनाते हैं और जन-जन तक मतदान का महत्व पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि आगामी 6 नवम्बर को होने वाले मतदान में सभी लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। शुभम उज्जवल समिति के निदेशक ने बताया कि यह नाटक श्रृंखला जिले के विभिन्न इलाकों में आयोजित की जा रही है ताकि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है हर बूथ पर हो मतदान, तभी सजेगा लोकतंत्र का मैदान।इस तरह बक्सर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से न केवल लोगों को मतदान का महत्व समझाया गया, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल भी की गई।

निर्वाचन तैयारियों को लेकर सामान्य प्रेक्षक प्रभजोत सिंह का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था पर दिए आवश्यक निर्देश

- **स्ट्रॉन्ग रूम व मतगणना हॉल की व्यवस्था से संतुष्ट दिखे प्रेक्षक, कहा पारदर्शिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक प्रभजोत सिंह (आईएएस) ने बक्सर बाजार समिति परिसर स्थित स्ट्रॉन्ग रूम एवं मतगणना हॉल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थल पर की गई सुरक्षा और तकनीकी व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक प्रभजोत सिंह ने सबसे पहले स्ट्रॉन्ग रूम की भौतिक संरचना, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, प्रवेश नियंत्रण प्रणाली, विद्युत आपूर्ति, और प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम में लागू तीन-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली की समीक्षा की तथा सुरक्षा बलों की तैनाती, ड्यूटी चार्ट, और निगरानी व्यवस्था को परखा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्ट्रॉन्ग रूम निर्वाचन की सबसे संवेदनशील कड़ी है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई अस्वीकार्य होगी।

प्रभजोत सिंह ने निर्देश दिया कि

सभी प्रवेश द्वारों पर पास आधारित प्रवेश नियंत्रण प्रणाली लागू की जाए। सीसीटीवी मॉनिटरिंग की सतत व्यवस्था रहे तथा हर दिन 24 घंटे सुरक्षा गश्ती दल सक्रिय रहे। विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा न हो, इसके लिए बैकअप पावर व्यवस्था तैयार रखी जाए।

मतगणना हॉल की तैयारियों की भी ली जानकारी

स्ट्रॉन्ग रूम के बाद उन्होंने मतगणना हॉल का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने काउंटिंग टेबल्स की संख्या एवं विन्यास, सीसीटीवी कवरेज, बैरिकेडिंग व्यवस्था, मीडिया गैलरी, संचार सुविधा, तथा अवलोकन कक्ष की स्थिति का परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान प्रत्येक प्रक्रिया पारदर्शी और सुव्यवस्थित होनी चाहिए, ताकि परिणामों को लेकर किसी प्रकार का संदेह उत्पन्न न हो।

अधिकारियों को दिए स्पष्ट दिशा-निर्देश

प्रेक्षक ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि मतगणना दिवस से पूर्व सभी तकनीकी एवं लॉजिस्टिक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। साथ ही उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निष्पक्षता, पारदर्शिता और तत्परता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक पर संबंधित पदाधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

निरीक्षण में रहे कई अधिकारी उपस्थित

निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी, संबंधित नोडल पदाधिकारीगण, अभियंता, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं सुरक्षा बलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। अधिकारियों ने प्रेक्षक को स्थल की वर्तमान स्थिति एवं की गई तैयारियों की जानकारी दी।

निर्वाचन तैयारियों पर प्रेक्षक ने जताया संतोष

निरीक्षण के अंत में सामान्य प्रेक्षक प्रभजोत सिंह (आईएएस) ने बक्सर जिले की निर्वाचन तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बक्सर जिला प्रशासन ने अब तक की तैयारियां संतोषजनक स्तर पर पूरी की हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन केवल प्रक्रिया नहीं, लोकतंत्र का पर्व है। इसमें पारदर्शिता और निष्पक्षता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

इस अवसर पर उन्होंने सभी विभागों के बीच सामंजस्य और समन्वय बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि बक्सर जिला शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव का उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

एक नजर

दीपावली की रात जुआ खेलते पांच गिरफ्तार, नगदी, बाइक, तास की गड्डी व मोबाईल बरामद

डुमरांव। नया भोजपुर पुलिस ने दीपावली की रात जुआ खेलते पांच जुआड़ियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 4760 रूपए नगद के साथ ही ताश की गड्डी, पांच मोबाईल फोन तथा तीन बाइक बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से नया भोजपुर गांव में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार जुआड़ियों में फिरोज कुरैशी, मो. नौशाद, सोनू कुरैशी, मो. इश्तियाक व असगर कुरैशी शामिल है। इनकी गिरफ्तारी नया भोजपुर गांव स्थित मदरसा के समीप से हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नया भोजपुर मदरसा के समीप कुछ लोग जुआ खेल रहे है। इस सूचना की तस्दीक के बाद वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। इस दौरान जुआ खेलते पांच लोगों को मौके से पकड़ा गया। उनके पास से नगदी, ताश की गड्डी, तीन बाइक व पांच मोबाईल बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

सर्पदंश से महिला की मौत, मचा कोहराम

राजपुर। थाना क्षेत्र के हेठुआ गांव में सर्प दंश से 22 वर्षीय महिला गंगा कुमारी की मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अमृत प्रजापति की पत्नी गंगा कुमारी रविवार की देर शाम घर में कोई आवश्यक सामान लेने के लिए अंदर गई थी। तभी पहले से छिपा हुआ जहरीला सर्प ने इन्हें डंक मार दिया। इसके दंश से इनके शरीर से खून निकल पड़ा। बाहर निकलकर महिला ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। इसके कुछ ही समय बाद इसकी तबियत खराब होने लगी। जिसे बेहोशी के हाल में तत्काल इसे इलाज के लिए लोग बक्सर सदर अस्पताल जा रहे थे। तब तक बीच रास्ते में ही इसकी मौत हो गई। घर के परिजनों ने बताया कि महिला के बताए अनुसार वह कोबरा सांप था। जिसके दंश करने से महज एक घण्टे के अंदर ही इसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही उनके घर पर पहुंचे शिक्षक सह समाज सेवी मंतोष कुमार एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने गहरी दुख संवेदना प्रकट की। विदित हो कि इससे पूर्व भी इस क्षेत्र में सर्प दंश से कई लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों से अपील किया है कि जहरीले सर्प के काटने पर पहले उसे अस्पताल पहुंचाये। राजपुर सीएचसी केंद्र में भी इसकी दवा उपलब्ध है। समय रहते पहुंचने पर उसका उपचार संभव है।

नगर के चौसा बाजार घाट पर गंदगी का अंबार, छठव्रती परेशान

बक्सर। आगामी छठ पर्व को लेकर जहां एक ओर तैयारियों की चर्चा है, वहीं चौसा नगर पंचायत क्षेत्र के कई गंगा तटों की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। इस बार भी छठव्रतियों को गंगा तट तक पहुंचने के लिए कचरे के ढेर से होकर गुजरना पड़ सकता है। नगर पंचायत द्वारा शहर के कई वार्डों और मोहल्लों से एकत्र कचरा गंगा तटीय इलाकों में फेंके जाने के कारण घाटों का स्वरूप अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गलियों और मुख्य मार्गों की सफाई के दौरान निकाले गए कचरे को सड़क किनारे या गंगा जाने वाले रास्तों पर ही फेंक दिया जाता है। कई बार तो इन कचरों में आग भी लगा दी जाती है, जिससे धुआं और बदबू फैल जाती है। विरोध के बावजूद नगर प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हाल ही में कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने निरीक्षण के दौरान चौसा बाजार घाट सहित कई तटीय इलाकों में फैले कचरे को देखा और स्वच्छता पदाधिकारी को तुरंत सफाई का निर्देश दिया था। लेकिन, फिलहाल स्थिति में कोई खास सुधार नजर नहीं आ रहा। गौरतलब है कि छठ पर्व के दौरान हजारों श्रद्धालु महिलाएं गंगा तट पर सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचती हैं। पहले सामाजिक संस्थाओं द्वारा सफाई, लाइट और सुरक्षा की व्यवस्था की जाती थी। अब जबकि चौसा नगर पंचायत की जिम्मेवारी में यह सब शामिल है, ऐसे में स्थानीय लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या वह समय रहते घाटों की सफाई सुनिश्चित कर पाएगा या नहीं।

डाक विभाग ने संभाली लोकतंत्र की डिलीवरी : डुमरांव में घर-घर पहुंच रहे नए वोटर कार्ड, युवाओं में उत्साह चरम पर

- **चुनाव से पहले मतदाता पहचान पत्र वितरण में डाककर्मियों की तेजी, करीब दस हजार नए मतदाता बने**

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच डाक विभाग ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा ली है। डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में डाक विभाग ने नए मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) के वितरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। अब डाकिए सिर्फ चिट्ठी या पार्सल ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रतीक मताधिकार का दस्तावेज भी घर-घर पहुंचा रहे हैं।

डाक निरीक्षक मनीष कुमार ने जानकारी दी कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में अब तक करीब दस हजार नए ईपीआईसी कार्ड प्राप्त हो चुके हैं। इन कार्डों के वितरण के लिए सभी डाककर्मियों को विशेष रूप से निर्देश दिए गए हैं कि कार्य में तत्परता और पारदर्शिता दोनों सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा, ह्लहर मतदाता तक उसका पहचान पत्र समय पर पहुंचे, यही हमारी प्राथमिकता है।

पहले ही दिन डुमरी और डुमरांव डाकघर में कुल 4,000 से अधिक नए कार्ड पहुंचे। इनमें डुमरी डाकघर में 1458 और डुमरांव डाकघर में 2600 मतदाता पहचान पत्र शामिल हैं। सभी कार्ड स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्त हुए हैं, ताकि वितरण प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी या त्रुटि न हो।

डुमरी डाकघर के पोस्टमास्टर श्याम बिहारी यादव ने बताया कि इस कार्य के लिए डाक विभाग ने विशेष योजना तैयार की है। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी टीम एक मिशन की तरह जुटी है। प्रत्येक डाक कर्मी को अपना इलाका सौंपा गया है ताकि कोई भी मतदाता वंचित न रह जाए।

डाकघरों में इन दिनों उत्साह का माहौल है। शाम ढलने के बाद भी कर्मचारी काम में व्यस्त हैं, ताकि हर नए मतदाता तक कार्ड जल्द से जल्द पहुंच सके। मंगलवार को कई डाकघर देर रात तक खुले रहे। यह नजारा किसी त्यौहार से कम नहीं था, फर्क बस इतना था कि यह लोकतंत्र का त्योहार था।

सहायक निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार पांडे ने बताया कि नए ईपीआईसी कार्ड मिलने से मतदान केंद्रों पर पहचान से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक दूर होंगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल प्रशासनिक सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि मतदान प्रतिशत में भी उल्लेखनीय वृद्धि लाएगा। खासकर पहली बार वोट डालने जा रहे युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। युवा वर्ग के बीच नए वोटर कार्ड हाथ में आते ही लोकतंत्र के प्रति अपनापन बढ़ता दिख रहा है। कई कॉलेजों और संस्थानों में विद्यार्थी इसे अपने ह्लपहले अधिकारह्व के रूप में गर्व से साझा कर रहे हैं।

डाक विभाग की यह मुहिम चुनाव आयोग की मतदाता जागरूकता अभियान को नया बल दे रही है। प्रशासनिक दृष्टि से यह न केवल दक्षता का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र में नागरिक भागीदारी को गहराई तक ले जाने वाला कदम भी।

डुमरांव अनुमंडल में शुरू हुई यह पहल सिर्फ कार्ड वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक संवेदनशील संदेश है–कि हर नागरिक की भागीदारी से ही लोकतंत्र पूर्ण होता है। जब डाकिया दरवाजे पर ह्लमतदाता पहचान पत्रह्व थमाता है, तो वह केवल एक कार्ड नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति नागरिक जिम्मेदारी की चिट्ठी सौंपता है।

छठ घाट की तैयारी के दौरान युवक की डूबकर मौत, गांव में पसरा मातम

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड के अकबरपुर पंचायत अंतर्गत तिलकड़ा डेरा गांव में छठ पूजा की तैयारी उस वक्त मातम में बदल गई, जब घाट बनाने गया एक युवक पानी में डूब गया। मृतक की पहचान 36 वर्षीय सुदामा चौहान, पिता स्वर्गीय अयोध्या चौहान, निवासी तिलकड़ा डेरा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सुदामा चौहान रविवार की सुबह अपने साथियों के साथ गांव के बाहर स्थित विशाल पोखरा पर छठ घाट की साफ-सफाई एवं निर्माण कार्य के लिए गया था। पोखरा में इस वर्ष काफी पानी भरा हुआ है और यहीं पर प्रतिवर्ष छठ पूजा संपन्न होती है। घाट बनाने के क्रम में अचानक सुदामा का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। साथी युवक उस वक्त मिट्टी काटने में व्यस्त थे, इसलिए किसी को घटना का पता नहीं चला। कुछ देर बाद जब सुदामा नहीं दिखा तो ग्रामीणों को इसकी सूचना दी गई। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों ग्रामीण जुट गए। मुखिया प्रतिनिधि राकेश सिंह, बीडीसी सदस्य रोशन राजभर और उपमुखिया मनोज चौहान ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष निवास कुमार के निर्देश पर एसआई सुभाष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद करीब तीन घंटे की खोजबीन के बाद शव को पानी से बाहर निकाला गया।

शव को तत्काल सीएचसी राजपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सुदामा को मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी सुघरी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि सुदामा परिवार की जीविका चलाने के लिए किसी राइस मिल में मजदूरी करता था।

ग्रामीणों में प्रेमचंद चौहान, लाल बहादुर राजभर, विक्रम चौहान, कन्हैया चौहान और शिवजी चौहान सहित कई लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए सरकार से मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

हर्षोल्लास संपन्न हुआ दीपावली का त्योहार, देर रात तक रही पटाखों की धूम

केटी न्यूज/डुमरांव

दीपों का त्योहार दीपावली सोमवार को उल्लास के साथ संपन्न हो गया। इस मौके पर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घर तथा गलियां रौशनी से जगमग हो गई थी। वहीं, देर रात तक आतिशबाजी की आवाज सुनाई पड़ रही थी। सुबह से ही लोगों के घरों दीपावली की तैयारी शुरू हो गई थी। लोग दीपावली के मद्देनजर अपने घरों की विशेष सफाई किए थे। इस दौरान घरों की रंग-रोगन के अलावे उन्हें कृतिम लाईटों से सजाया गया था। इस मौके परंपरा के तहत लोगों ने धन की देवी मां लक्ष्मी व विघ्न विनायक भगवान गणेश की पूजा वैदिक विधान से पूजा अर्चना किए। वहीं, शाम ढलते ही दीये की लड़ियों से शहर का चप्पा-चप्पा चमक उठा था। दीपावली पर शहर की रौनक देखते ही बन रही थी। वहीं, दीपावाली को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह था। बच्चों ने जमकर पटाखे छोड़े। पटाखे छोड़ने का सिलसिला देर रात तक जारी था। इसके पहले दीपावली को लेकर डुमरांव का बाजार भी गुलजार रहा। बाजार में पूरे दिन खरीददार उमड़े रहे। दीपावली पर अच्छी बिक्री होने से दुकानदार खुश नजर आ रहे थे।

महागठबंधन ने फूंका चुनावी बिगुल, सांसद सुधाकर सिंह बोले यह चुनाव बिहार के भविष्य की लड़ाई

- **विधायक विश्वनाथ राम बोले जनता का फैसला ही लोकतंत्र में सर्वोच्च**

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी के बीच मंगलवार को महागठबंधन ने अपना शक्ति प्रदर्शन करते हुए चुनावी बिगुल फूंक दिया। राजद प्रत्याशी सह विधायक विश्वनाथ राम और सांसद सुधाकर सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर महागठबंधन चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद आयोजित नुक्कड़ सभा में नेताओं ने एकजुट होकर सरकार की नीतियों पर हमला बोला और जनता से महागठबंधन को समर्थन देने की अपील की।

सभा की अध्यक्षता राजद अध्यक्ष उमेश सिंह एवं मुखिया अनिल सिंह ने की। इस मौके पर विभिन्न पंचायतों से बड़ी संख्या में महागठबंधन समर्थक और कार्यकर्ता उपस्थित थे। नेताओं ने कहा कि संविधान की रक्षा, शोषितों और वंचितों की आवाज को बुलंद करने तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को मजबूती देने का समय आ गया है। राजद जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह ने कहा कि कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है और जनता का समर्थन इस बात का प्रमाण है कि संगठन मजबूत है। उन्होंने कार्यकताओं को आगाह करते हुए कहा कि चुनाव के दिन सतर्क रहना जरूरी है, सेंधमारी से बचें और हर बूथ पर चौकसी रखें। विधायक सह प्रत्याशी विश्वनाथ राम ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि आपका वोट सरकार बनाने में सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि अगर दोबारा मौका मिला तो हम आपके हर सुख-दुख में साथ रहेंगे।

वहीं सांसद सुधाकर सिंह ने अपने जोशीले भाषण में कहा कि यह चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं बल्कि बिहार के भविष्य को सुरक्षित करने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि ह्लवर्तमान सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है और केंद्र की नीतियों से मिलकर आम जनता को लूट रही है। सिंह ने बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजपुर और आसपास का इलाका हमेशा से समाजवादी विचारधारा का गढ़ रहा है। अब वक्त है इस खराब व्यवस्था को बदलने का। सरकार गरीबों और भूमिहीनों के विरोध में खड़ी है। अडानी-अंबानी को जमीन दी जा रही है, लेकिन गरीब के लिए कोई जगह नहीं। सभा में संतोष भारती, जिप सदस्य पूजा कुमारी, कांग्रेस अध्यक्ष साबिर हासमी सहित महागठबंधन के तमाम प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने एकजुट होकर कहा कि जनता बदलाव चाहती है और इस बार राजपुर से महागठबंधन की जीत निश्चित है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

भोजपुर में 29 अक्टूबर को बैलेट पेपर से होगा मतदान, घर-घर पहुंचेंगी 112 टीमें

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में चुनाव आयोग के निर्देश पर स्थानीय जिला प्रशासन मतदान ज्यादा से ज्यादा कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में 85 प्लस बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को जिन्होंने होम वोटिंग की इच्छा जताई है। उनके लिए इस बार चुनाव में विशेष व्यवस्था की गई है। वैसे मतदाताओं को घर-घर जाकर बैलेट पेपर से 29 और 31 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा। इसे लेकर जिले में कुल 112 विशेष मतदान दल का गठन किया गया है। जिले के सातों विधानसभा में बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं की इच्छा के अनुसार

मतदान कराने की विशेष व्यवस्था के क्रम में 85 प्लस बुजुर्ग 102 मतदाताओं की पहचान की गई है। दिव्यांग मतदाताओं की कुल संख्या 128 है, जिन्होंने घर पर ही मतदान करने की इच्छा जाहिर की है।इस प्रकार पचासी प्लस और दिव्यांग मिलाकर कुल मतदाताओं की संख्या

होम वोटिंग के लिए इच्छुक मतदाताओं की संख्या

विस नाम		85 प्लस पीडब्लूडी		कुल वोटर
संदेश	13	11	27	
बड़हरा	18	13	38	
आरा	20	13	28	
अगिआंव		09	09	33
तरारी	16	15	60	
जगदीशपुर		18	10	21
शाहपुर	12	11	23	
योग	106	83	230	

230 हो जाती है। पचासी प्लस मतदाताओं की बात करें तो सबसे ज्यादा बड़हरा में 25, तरारी में 22, आरा में 15, संदेश में 14, शाहपुर में 12 और सबसे कम अगिआंव में आठ मतदाता है। इसी प्रकार दिव्यांग मतदाताओं की बात करें तो सबसे ज्यादा संख्या तरारी में 38, अगिआंव में 25, संदेश-बड़हरा और आरा में 13-13 तथा सबसे कम शाहपुर में 11 मतदाता है। इन सभी को सुविधा पूर्वक घर में ही मतदान बैलेट पेपर से कराने के लिए कुल 112 मतदान दल का गठन किया गया है, जिसमें पीठासीन पदाधिकारी से लेकर सभी प्रकार के पदाधिकारी और कर्मचारियों को लगाया गया है। भोजपुर जिले के तरारी विधानसभा में सबसे ज्यादा बैलट पेपर से मतदान करने वालों की संख्या साठ है। यहां पर बुजुर्ग मतदाता की संख्या 22 और दिव्यांग की 38 है। तरारी के बाद सबसे ज्यादा ऐसे मतदाताओं की संख्या बड़हरा में 38, अगिआंव में 33, आरा में 28, संदेश में 27, शाहपुर में 23 और जगदीशपुर में सबसे कम 21 है।

दीपावली पूजा में घात लगा स्वर्ण व्यवसायी को मारी गोली, गंभीर स्थिति में पिता व पुत्र रेफर

अपराधियों ने साजिश रच घटना को दिया अंजाम, कार्रवाई ने जुटी पुलिस

केटी न्यूज/रोहतास

नगर निगम सासाराम के फजलगंज स्थित दुर्गा चौक के समीप मंगलवार की अहले सुबह करीब तीन बजे आभूषण दुकान में दीपावली पर लक्ष्मी पूजा कर रहे स्वर्ण व्यवसायी को अपराधियों ने गोली मार दी। इस घटना में स्वर्ण व्यवसायी एवं उसके पुत्र को भी गोली लगी है और फिलहाल दोनों का गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है। घायल अशोक सोनी सासाराम नगर थाना क्षेत्र के मुबारकगंज मोहल्ले के निवासी हैं और फजलगंज में ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं।

लूट की नीयत से अपराधी ने दिया घटना वारदात :

घटना को लेकर स्वर्ण व्यवसायी की पुत्री सौम्या सोनी ने बताया कि

करीब 3 बजे पूरा परिवार दुकान में लक्ष्मी पूजा कर रहा था, तभी तीन हथियार बंद अपराधी दुकान में घुसे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पिता के विरोध करने पर उन्होंने गोली मार दी और गले की चेन छीन कर फरार हो गए। सौम्या सोनी ने बताया कि इस घटना में उसके पिता को सीने में एवं 12 वर्षीय भाई राजवीर सोनी को पैर में गोली लगी है।

घटना में जख्मी पिता पुत्र रेफर,कार्रवाई में जुटी पुलिस

मामले में सदर डीएसपी वन दिलीप कुमार ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के फजलगंज में सुबह करीब तीन बजे एक ज्वेलर्स दुकान में पूजा कर रहे दो लोगों को कुछ अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है। सूचना पर पहुंची नगर थाने की पुलिस को घटनास्थल से चार खोखा बरामद हुआ है और पूरे मामले की जांच चल रही है। डीएसपी ने यह भी कहा कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज आदि की जांच की जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

दीपो के पर्व दीपावली बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया गया

- **बच्चों ने रंगोली बना और पटाखें छोड़ कर व्यक्त की अपनी खुशी**

केटी न्यूज/रोहतास

अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी कस्बों व गांवों में सोमवार की रात दीपों का महापर्व दीपावली उल्लास,उमंग और भाईचारे के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। शाम ढलते ही पूरा अनुमंडल क्षेत्र दीपों की रोशनी से जगमगा उठा । घर-आंगन,मंदिर,प्रतिष्ठान और सड़कों पर रंग-बिरंगी लाइटों व दीयों की झिलमिलाहट ने अंधकार को पराजित कर दिया । लोगों ने मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की विधिवत पूजा- अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की । इस दौरान महिलाओं ने घरों को आकर्षक रंगोलियों से सजाया,जबकि बच्चे पटाखे फोड़ते और मिठाइयों का आनंद लेते नजर आए । बाजारों में दिनभर रौनक

रही, दुकानों पर दीपावली की खरीदारी को लेकर भीड़ उमड़ पड़ी। दीपावली की रात आसमान में आतिशबाजी की चमक से अद्भुत दृश्य देखने को मिला,

हर ओर खुशियों का माहौल व्याप्त था। त्योहार को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे,जिससे पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ । कुल मिलाकर बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र दीपों की रौशनी,उमंग और उत्साह में डूबा नजर आया। जहां हर चेहरे पर मुस्कान और हर घर में खुशियों की चमक बिखरी रही। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए आर्या कुमारी, नित्या प्रकाश,अवव्या प्रकाश सहित अन्य ने लोगों को दीपावली की बधाई दी।

सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत,परिवार में मचा कोहराम

केटी न्यूज/रोहतास

जिले क्षेत्र के चेनारी-शिवसागर स्टेट हाईवे पर मंगलवार सुबह करीब 11 बजे एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में सासाराम के मुबारकगंज निवासी 17 वर्षीय विशाल कुमार गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चेनारी निवासी पीयूष कुमार गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक विशाल कुमार गुप्ता दीपू साह के पुत्र थे। वह अपने ननिहाल चेनारी मुख्य बाजार में प्रदीप शाह के घर आए हुए थे। घायल पीयूष कुमार गुप्ता कमलेश साह के पुत्र हैं। जानकारी के अनुसार, विशाल अपने रिश्तेदार के गांव पेवदी से लौटकर सासाराम जा रहे थे। इसी दौरान चेनारी थाने से लगभग एक किलोमीटर दूर शिवसागर रोड स्थित बेलहन पुल के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार दोनों युवक सड़क किनारे गिर पड़े।

आसपास खेत में काम कर रहे किसानों और राहगीरों ने उन्हें तुरंत एक ऑटो से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चेनारी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने विशाल कुमार गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। घायल पीयूष कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। चेनारी थाना अध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक को जब्त कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

एक नजर

स्वीप कार्यक्रम तहत मतदाता को किया गया जागरूक

काराकाट । मंगलवार को प्रखंड काराकाट क्षेत्र अंतर्गत मोथा एवं मानिक परासी पंचायत में बाल विकास परियोजना कार्यालय अंतर्गत केंद्र संख्या मोथा केंद्र संख्या 14, 15,16, 226, 227 एवं केंद्र संख्या मानिक परासी केंद्र संख्या 63 में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता और स्लोगन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया। साथ ही साथ शत-प्रतिशत बढ़ चढ़कर मतदान करने हेतू शपथ लिया गया। साथ ही अपील भी किया गया। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका बाली कुमारी, सेविका आरती कुमारी,रीता गुप्ता, उषा देवी,आभा कुमारी,खुश्बू कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मरम्मति कार्य को लेकर आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

सासाराम । ग्रिड में मरम्मति का कार्य को लेकर 22 अक्टूबर बुधवार को सासाराम में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक कार्यपालक अभियंता रविशंकर कुमार ने बताया की ग्रिड से निकलने वाले 33 केवी एसपी जैन, दरिगाव व तेलारी फीडर का विद्युत आपूर्ति 11 बजे से 13 बजे तक बन्द रहेगी। उक्त अवधि मे ग्रिड द्वारा मरम्मती का कार्य किया जायेगा। सहायक विद्युत अभियंता, विद्युत आपूर्ति अवर प्रमण्डल सासाराम (ग्रामीण) उज्जवल कुमार ने बताया की इस दौरान अतिआवश्यक मरम्मति के अलावे आने वाले पर्व त्योहार को ध्यान मे रखते आवश्यक निरोधक अनुरक्षण किया जायेगा साथ हीं उपभोक्ताओ से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी काम निपटा लेंगे।

बाइक दुर्घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल

संझौली । संझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत पखनहिया गांव के समीप मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे दो बाईकों की आपस में भिड़त हो गई। सड़क हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहयोग से सभी घायलों को पीएचसी अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान संझौली निवासी राहुल कुमार 27 वर्ष पिता सतेंद्र चौधरी और नोखा थाना क्षेत्र के जावरा निवासी अभिषेक कुमार 26 वर्ष एवं रामू कुमार 25 बर्ष के रूप में हुई है । थानाध्यक्ष पूनम कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा घटनास्थल से सड़क हादसा में शामिल दोनों बाइक को जब्त कर थाना लाया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है ।

फिल्म जगत के हास्य कलाकार असरानी ने कहा अलविदा, लोगों में शोक

डेहरी । हिंदी फिल्म के चर्चित कलाकार गोवर्धन असरानी के निधन पर अभिनव कला संगम सदस्यों ने शोक व्यक्त किया है। बताते चले की गोवर्धन असरानी हिंदी फिल्म के चर्चित हास्य अभिनेता थे। उनकी कई सुपरहिट फिल्में आज भी आम आवाम के जेहन में है। गोवर्धन असरानी को हिंदी फिल्मों में लोग प्यार से असरानी के नाम से जानते थे। नायक से लेकर खलनायक समेत कई पात्रों में उनकी कला को देश हीं नहीं दुनिया भर के कलाकारों ने सलाम किया है। सुपर स्टार हास्य अभिनेता के रूप में उन्हें कई अवार्ड भी मिल चुके हैं। उनके निधन पर अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश कुमार ने कहा कि गोवर्धन असरानी का निधन तो अवश्य हुआ है, किंतु कला जगत के लिए वे हमेशा अमर रहेंगे। विभिन्न क्षेत्रों के कलाकार उन्हें हमेशा याद करते रहेंगे। उनका निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है, शोक व्यक्त करने वाला में सचिव पवन मिश्रा, निर्देशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव रणधीर सिन्हा , कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, संरक्षक सीमल सिंह, डॉक्टर उदय कुमार सिन्हा, डॉक्टर वीरेंद्र कुमार, डॉ नवीन नटराज, ओम जी यादव, रवि तिवारी, संजय यादव, बैजू गुप्ता, संतोष कुमार, इंद्र कुमार बाघा, कुंदन यादव, शंभू गुप्ता, कृष्णा यादव, विनय कुशवाहा, मनोज गुप्ता आदि शामिल थे।

विधानसभा चुनाव में 9 प्रत्याशियों का नामांकन हुआ रद्द

डेहरी। निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल कार्यालय में मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव के डेहरी से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच के दौरान विभिन्न त्रुटियों के कारण नौ प्रत्याशियों के नामांकन पत्र रद्द कर दिया। इससे पहले नामांकन भरने के लिए 29 एनआर कटे थे। कयाश लगाए जा रहे थे कि डेहरी विधानसभा के लिए 29 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरेंगे. लेकिन अंतिम दिन सोमवार तक कुल 21 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पर्चा भरा गया। निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी नीलेश कुमार ने बताया कि नामांकन दाखिल किए सभी 21प्रत्याशियों के आवेदन की समीक्षा की गई है. जिसमें नौ आवेदन को त्रुटि पूर्ण माना गया है। आवेदकों को बुलाकर उनकी त्रुटियों को दिखा दिया गया है। जिस किसी प्रकार का संदेह आवेदक को न हो, आवेदन में त्रुटि पाए गए सभी आवेदकों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। जिसमें धर्मू चौधरी भागीदारी पार्टी, निर्दलीय सर्वेश पासवान, नंदलाल राम सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, लीलावती कुमारी निर्दलीय, सुनीता यादव जनशक्ति जनता दल, शिव गांधी निर्दलीय, राम केवल चौधरी निर्दलीय, दीपक कुमार गुप्ता निर्दलीय एवं डॉ. धनजी पाल बसपा प्रत्याशी शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव तैयारी को लेकर वरीय पदाधिकारियों ने बूथों का किया निरीक्षण

केटी न्यूज/रोहतास

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी रूप से सम्पन्न कराने की तैयारियों की समीक्षा के क्रम में 211 नोखा विधानसभा क्षेत्र के सामान्य ऑब्जर्वर मिलिंद धर्मराव रामटेके, आईएएस ने विभिन्न बूथों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ऑब्जर्वर महोदय ने नामांकन प्रक्रिया केंद्र का बारीकी से अवलोकन किया तथा उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सभी कार्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप और पारदर्शी ढंग से संपन्न हों। ऑब्जर्वर महोदय ने कहा कि आयोग के निदेर्शों का सख्ती से पालन प्रत्येक स्तर पर होना चाहिए।

उन्होंने नामांकन प्रक्रिया में शामिल कर्मियों को सावधानी, तत्परता और निष्पक्षता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने निर्वाचन कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि स्वतंत्र निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि मतदान केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। सभी पदाधिकारियों को परस्पर समन्वय के साथ कार्य करते हुए पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

गोवर्धन पूजन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई गोवर्धन पूजा। उक्त अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन की गई। गोवर्धन पूजा समिति द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत गायिका प्रति कुमारी ने भजन गीत " हाथ जोरी पइया परतानी ए बाबा दया करना एक बार से व सारी दुनिया में माई कहालु का दो उढ़ऊल के फूल से पूजालु से " के साथ की। गायिका ने प्रसंगों पर आधारित अपने गीतों से लोगों को काम, क्रोध व अभिमान से बचने की भावना जगाने का प्रयास किया। वहीं भगवान श्रीकृष्ण को अपना बनाते हुए लोगों में समाजसेवा का भाव जगाने का प्रयास किया। इनके गीत हम हई पिया के पतरी तिरियावा पिया हमार पतरेंगवा हो ने खूब तालियां बटोरी। दूसरी तरफ दर्शक भी गीतों

पर खूब थिरकते नजर आए। मौके पर कुश्ती के दंगल में पहलवानों ने भी अपनी जोर आजमाई की कर्तव्य से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें धर्मेंद्र यादव ने सभी जनप्रतिनि को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। जबकि कार्यक्रम का संचालक मंटू यादव ने की। मौके पर सभापति राधेश्याम सिंह, सुदामा प्रसाद, अभय यादव, उमेश यादव, मनीष कुमार, राहुल कुमार, लखन चंद्रवंशी, डब्लू बाबा सहित कई सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थें।

दिवाली के बाद बिहार में वायु प्रदूषण बढ़ा पटना सहित कई शहरों की हवा हुई खराब

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड की दस्तक के साथ ही वायु प्रदूषण ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। दिवाली के बाद राज्य के कई प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (अदक) ह्यखराबह्न श्रेणी में दर्ज किया गया है। राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, सहरसा और हाजीपुर जैसे शहरों में एक्यूआई 250 के पार पहुंच गया है, जो स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद चिंताजनक संकेत है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा शनिवार सुबह 10 बजे जारी किए गए नेशनल एयर क्वालिटी इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार,

पटना के शिकारपुर में अदक256, दानापुर में 229, मुरादपुर में 227 और समनपुरा में 236 दर्ज किया गया। यह सभी आंकड़े हवा की गुणवत्ता को "खराब" श्रेणी में रखते हैं। राज्य में सबसे अधिक वायु प्रदूषण हाजीपुर में दर्ज किया गया, जहां एक्यूआई 293 तक पहुंच गया। यह "खराब" से "बेहद खराब" श्रेणी के कगार पर है। इसके अलावा, मुजफ्फरपुर (255), सहरसा (270), समस्तीपुर (214), भागलपुर (207), पूर्णिया (207) और अररिया (220) में भी वायु गुणवत्ता का स्तर चिंताजनक पाया गया। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में गिरावट और पराली जलाने की घटनाओं से आने वाले दिनों में वायु प्रदूषण और अधिक बढ़ सकता है। इसके अलावा पटाखों का धुआं, वाहनों की बढ़ती संख्या और निर्माण कार्य भी प्रदूषण के प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बुजुर्गों, बच्चों और अस्थमा के मरीजों को सतर्क रहने और अत्यधिक प्रदूषण वाले समय में घर से बाहर निकलने से परहेज करने की सलाह दी है।

अन्य शहरों में भी वायु गुणवत्ता में गिरावट देखी गई है

सीवान : 162	औरंगाबाद : 132
गयाजी : 165	कटिहार : 134
बिहारशरीफ : 165	राजगीर : 135
बेगूसराय : 182	मोतिहारी : 126
मुंगेर : 172	आरा : 126
छपरा : 157	बक्सर : 119
बेतिया : 154	

अगले 5 साल में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा, नीतीश कुमार ने मीनापुर और कांटी से किया चुनाव प्रचार का आगाज

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव अभियान की औपचारिक शुरूआत मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर और कांटी से की। मीनापुर हाई स्कूल मैदान और कांटी राजकीयकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित एनडीए की जनसभा में उन्होंने जदयू प्रत्याशी अजय कुशवाहा, अजीत कुमार, राज कुमार राजू, मदन चौधरी और भाजपा प्रत्याशी रमा निषाद के समर्थन में जनता से वोट देने की अपील की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में विकास का दौर रुकने नहीं देना है। उन्होंने वादा किया कि अगले पांच वर्षों में राज्य के एक करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी के अवसर मुहैया कराए जाएंगे। जनता से अपील करते हुए नीतीश कुमार ने कहा विकास के काम को याद रखिए, अफवाहों में मत आइए। 24 नवंबर 2005 को जब हमारी सरकार बनी थी, तब बिहार की हालत बेहद खराब थी। शाम होते ही लोग घरों से निकलने से डरते थे, समाज में तनाव था। हमने कानून-व्यवस्था सुधारी, सड़कों, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किया। आज बिहार विकास के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है।सभा के दौरान एक रोचक पल भी देखने को मिला। जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा प्रत्याशी रमा निषाद को माला पहनाने के लिए हाथ बढ़ाया, तो पास खड़े राज्यसभा सांसद संजय झा ने उनका हाथ पकड़ लिया। इस पर मुख्यमंत्री मुस्कुराते हुए बोले, ई गजब आदमी है भाई, हाथ काहे पकड़ते हो। उनके इस अंदाज पर मंच पर मौजूद नेताओं और कार्यकताओं ने तालियां बजाईं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रमा निषाद को माला पहनाई। गौरतलब है कि रमा निषाद, पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी हैं और इस बार औराई विधानसभा सीट से भाजपा की प्रत्याशी हैं। भाजपा ने मौजूदा विधायक व पूर्व मंत्री रामसूरत राय की जगह रमा निषाद पर भरोसा जताया है। मीनापुर और कांटी में हुई इस सभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। मंच पर एनडीए के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

राजद ने कहा- मुख्यमंत्री पद की गरिमा तार तार हो गई

राष्ट्रीय जनता दल ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि लगातार मुख्यमंत्री पद की गरिमा तार तार हो गई। अब नीतीश कुमार को कोई भी कहीं भी डांटने लग रहा है। राजद ने आगे कहा कि नीतीश कुमार से सबसे ज्यादा उनकी पार्टी के लोग घबराए हुए हैं। जदयू के लोग क्या सोचते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ना जाने कब क्या कर दें? इसीलिए अब चुनावी सभा के दौरान उनका हाथ पकड़ कर रोका जा रहा है। राजद का इशारा जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के तरफ था। इस वीडियो में जब सीएम नीतीश कुमार को महिला प्रत्याशी को माला पहनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं तो संजय झा उन्हें हाथ पकड़ कर रोकते दिख रहे हैं। राजद ने यह भी पूछा कि क्या ऐसे नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री बनने योग्य रह गए हैं?

एक नजर

कैमूर में आपसी विवाद में चली चाकू, 15 वर्षीय किशोर की इलाज के दौरान मौत

कैमूर। कैमूर जिले के मोहनियां थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड में गर्ल स्कूल मोड़ के पास आपसी विवाद में 15 वर्षीय किशोर को एक युवक ने चाकू मारकर घायल कर दिया। वहां मौजूद साथियों ने घायल किशोर को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल मोहनियां ले गये। लेकिन घायल की इलाज के दौरान मौत हो गयी। घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए सड़क को जाम कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर कर शांत कराया जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेजा गया। मृतक की पहचान मोहनिया के वार्ड नंबर 12 निवासी खिचड़ू पासी के 15 वर्षीय पुत्र सचित पासी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी रोशन कुमार ने बताया कि हम लोग सचित पासी के साथ स्टेशन की तरफ घूमने के लिए जा रहे थे। तभी गर्ल स्कूल मोड़ के पास सेशन स्टेशन रोड में 6 से 7 की संख्या में रहे लड़के अचानक सचित पासी के ऊपर हाथ छोड़ दिए जिसमें सचित पासी भी उन पर हाथ छोड़ने लगा। हम लोग दोनों को हटा रहे थे, इसी बीच एक अमन नाम का लड़का आया और पीछे से सचित को चाकू मार दिया और मौके से सभी लोग फरार हो गए।

आरा में दर्दनाक सड़क हादसा : स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में दो दोस्तों की मौके पर मौत

आरा में भीषण सड़क हादसे में दो दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गयी। घटना बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर आरा जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदूनी मोड़ के पास मंगलवार की देर शाम को हुई। जहां तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो और बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। टक्कर इतना जबरदस्त था कि स्कॉर्पियो का भी अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं घटना के बाद चालक स्कॉर्पियो छोड़ मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर आसपास की इलाके में करीब दो घंटे तक अफरा-तफरी मच रही। जानकारी के अनुसार मृतकों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर वार्ड नंबर 5 खपटहां गांव के निवासी छोटक राम का 24 वर्षीय पुत्र राजा कुमार एवं पीरो थाना क्षेत्र के गहबर टोला निवासी विनोद साह का 25 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार शामिल है। दोनों दोस्त थे और किसी काम से बाइक से निकले थे। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

दीपावली की रात कबाड़ी की दुकान में भीषण आग, पटाखों की चिंगारी से लाखों का नुकसान

नालंदा । नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र में दीपावली की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं जब हिलसा बाजार स्थित एक कबाड़ी की दुकान अचानक आग की लपटों में घिर गई। देर रात हुई इस घटना ने पूरे इलाके में अफरातफरी मचा दी। देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैल गई कि कुछ ही मिनटों में पूरा कबाड़ी का अड्डा जलकर राख हो गया। चारों ओर धुएं का गुबार और लपटों का भयावह नजारा देखकर लोग दहशत में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह आग दीपावली के मौके पर छोड़े गए पटाखों की चिंगारी से भड़की। आसपास के लोगों ने बताया कि आग लगने के कुछ ही देर बाद कबाड़ी की दुकान से पटाखों जैसी तेज धमाके की आवाजें सुनाई देने लगीं।

जमुई विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई एके-47 का मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद

एजेंसी। पटना

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस एवं केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम द्वारा लगातार फ्लैग मार्च और सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार की देर रात जमुई एसपी विश्वजीत दयाल को गुप्त सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति मलयपुर थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव के समीप नदी किनारे स्थित सिंचाई विभाग के जर्जर भवन के पास हथियारों के साथ देखे गए हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में पुलिस निरीक्षक सह मलयपुर थाना अध्यक्ष विकास कुमार, एसआई महेश प्रसाद सिंह, पंकज कुमार, अर्चना कुमारी, जिला सूचना इकाई के आलोक कुमार, एसटीएफ तथा सीआरपीएफ 119 बटालियन के जवान शामिल थे। छापेमारी के दौरान पुलिस को घटनास्थल से अङ-47 राइफल का 10 जिंदा कारतूस से भरा हुआ मैगजीन और क्ठरअर राइफल के दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आस-पास के क्षेत्र की तलाशी के दौरान कई लोगों के जूतों के निशान और बाइक के टायरों के निशान भी पाए गए, जिससे यह संकेत मिला कि वहां एक समूह इकट्ठा था, जो संभवतः चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की साजिश रच रहा था। पुलिस की भनक लगते ही सभी संदिग्ध मौके से फरार हो गए। माना जा रहा है कि भागने के दौरान ही उनके हाथ से मैगजीन और कारतूस गिर गए। सूत्रों के अनुसार, इस घटना में नक्सली तत्वों की संलिप्तता से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने बरामद कारतूस और मैगजीन को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। इस पूरे मामले पर एसपी विश्वजीत दयाल ने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जमुई पुलिस पूरी तरह सतर्क और तैयार है। उन्होंने बताया कि देर रात सूचना मिली थी कि कुछ असामाजिक तत्व नदी किनारे स्थित जल संसाधन विभाग की खंडहर बिल्डिंग में किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में सीआरपीएफ, एसटीएफ और मलयपुर थाना पुलिस की टीम भेजी गई। छापेमारी में अङ-47 का मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। नक्सली कनेक्शन सहित अन्य सभी एंगल से जांच की जा रही है। एसपी ने कहा कि जिले में भयमुक्त, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए लगातार छापेमारी और सर्च अभियान चलाए जा रहे हैं।

बिहार में मिट्टी लाने गई 3 मासूमों की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

एजेंसी। पटना

बिहार के अररिया जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है। जोकीहाट थाना क्षेत्र के तारण गांव में बकरा नदी के किनारे मिट्टी लाने गईं तीन मासूम लड़कियां गहरे पानी में डूब गईं। मरने वालों में 9 वर्षीय रिहाना (पिताः इस्लाम), 8 वर्षीय खुशनुमा (पिताः मंजर) और 13 वर्षीय शायक (पिताः रकीब) शामिल हैं। ये तीनों तारण वार्ड नंबर 13 की निवासी थीं। सोमवार को ये बच्चियां नदी किनारे मिट्टी खोदने गई थीं, उसी दौरान अचानक एक की चूक से सभी गहरे पानी में फिसल गईं। एक अन्य लड़की ने इन्हें बचाने की कोशिश की फिर वह भी डूबने लगी, हालांकि स्थानीय लोगों ने उसे बचा लिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। परिवारों ने तुरंत पुलिस और एसडीआरएफ को सूचना दी। जोकीहाट थाने की टीम और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स ने शाम तक नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। देर शाम तीनों के शव बरामद हो गए, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि की और शवों का पोस्टमॉर्टम कराया गया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि नदी का पानी उफान पर था और किनारे पर फिसलन भरी मिट्टी ने हादसे को आमंत्रित किया। परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रिहाना के पिता इस्लाम ने बताया कि बेटी रोज सुबह मिट्टी लाती थी, आज थोड़ी सी चूक ने सब छीन लिया। खुशनुमा और शायक के घरों में मां-बहनों का रोना थमने का नाम नहीं ले रहा। गांव में सन्नाटा पसर गया है और पड़ोसी परिवार एक-दूसरे का सहारा बन रहे हैं।

पुलिस ने दियारा में मिनी गन फैक्ट्री का किया उद्भेदन, तीन खगड़िया के रहने वाले आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार के बेगूसराय में चुनाव से पहले पुलिस ने बॉर्डर इलाके में मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए। बेगूसराय के एसपी मनीष ने बताया कि यह कार्रवाई पटना एसटीएफ और बेगूसराय पुलिस ने संयुक्त रूप से की। पुलिस को यह सफलता साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर बरारी दियारा में मिली। मौके पर से तीन आरोपियों को पांच हथियार, अर्धनिर्मित हथियार और हथियार बनाने का सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। बेगूसराय पुलिस और पटना एसटीएफ ने दियारा क्षेत्र में मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया। मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए और तीन खगड़िया के रहने वाले आरोपी गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने बताया कि आरोपी देसी कट्टा और मस्कट बनाते थे और उनका आपराधिक इतिहास भी रहा है। बिहार के बेगूसराय में चुनाव से पहले पुलिस ने बॉर्डर इलाके में मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए। बेगूसराय के एसपी मनीष ने बताया कि यह कार्रवाई

पटना एसटीएफ और बेगूसराय पुलिस ने संयुक्त रूप से की। पुलिस को यह सफलता साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर बरारी दियारा में मिली। मौके पर से तीन आरोपियों को पांच हथियार, अर्धनिर्मित हथियार और हथियार बनाने का सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तीनों आरोपी खगड़िया जिले के निवासी हैं। एसपी मनीष ने बताया कि पटना एसटीएफ से सूचना मिली थी कि साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर बरारी दियारा में कुछ लोग अवैध रूप से मिनी गन फैक्ट्री चला रहे हैं। सूचना मिलते ही बलिया डीएसपी-सह-प्रशिक्षु आईपीएस साक्षी कुमारी के नेतृत्व में साहेबपुर कमाल थानाध्यक्ष सिंटू कुमार की पुलिस टीम तथा पटना एसटीएफ ने छापेमारी की।जांच में पता चला कि एक बहियार के जंगल में मिनी गन फैक्ट्री छिपाकर संचालित की जा रही थी। यह स्थान बेगूसराय, खगड़िया और मुंगेर जिलों के बॉर्डर इलाके में आता है। काफी समय से अपराधी दियारा के जंगल में हथियार बना रहे थे। पुलिस ने मौके पर खगड़िया जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र निवासी ललन यादव, मिथुन कुमार और शैलेश कुमार को गिरफ्तार किया। मौके से दो लोडेड देशी कट्टा, दो 18 इंच के कट्टा, एक अर्धनिर्मित कट्टा, तीन बेस मशीन, लोहे के छोटे-बड़े 12 बैरल, दो जिंदा गोलियां, एक हैंड ड्रिल मशीन और एक लोहे का रेती बरामद किया गया।

छठ पूजा के दौरान बिहार के कई जिलों में वर्षा की संभावना

आईएमडी ने जारी की चेतावनी

एजेंसी। पटना

बिहार में महापर्व छठ की तैयारियां अपने चरम पर हैं और ऐसे में अब मौसम विभाग ने एक ऐसी चेतावनी जारी की है जिसने राज्य भर के लोगों के उत्साह में खलल डालने का काम किया है। इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट के पटना सेंटर ने 25 से 28 अक्टूबर तक राज्य के 20 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से विकसित हो रहे निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से इन 4 दिनों में हल्की

से मध्यम बारिश होने की पूरी संभावना है। पटना में 25 अक्टूबर को 60% हल्की वर्षा के आसार हैं, जबकि 27-28 अक्टूबर को मगर मध्यम स्तर की फुहारें गिर सकती हैं और साथ में लोगों को गरज-चमक भी झेलना होगा। चेतावनी यह भी है कि यह वर्षा का दौर ठंड के साथ आएगा और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस एवं अधिकतम 30 डिग्री के पास रहेगा। 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और ये हवाएं ठंडक का एहसास और भी बढ़ा देंगी। पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर समेत उत्तरी और पूर्वी जिलों में बादल छाए रहेंगे, जबकि दक्षिणी हिस्सों में भी बूंदें पड़ने की आशंका है। आईएमडी के अनुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में अगले 24 घंटों में निम्न दबाव क्षेत्र बनने से यह सिस्टम मजबूत हो रहा है और यह बिहार पर भी असर डालेगा। पिछले साल भी छठ पर हल्की बूंदें गिरी थीं, लेकिन इस बार का पूर्वानुमान ज्यादा व्यापक लग रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मानसूनोत्तर मौसम का सामान्य पैटर्न है, लेकिन छठ पर्व को देखते हुए सतर्कता भी बेहद जरूरी है। इधर प्रशासन ने भी कमर कस ली है। पटना के सोन नदी घाट समेत सभी प्रमुख घाटों पर अस्थायी छतें लगाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं और सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जा रहे। जिलाधिकारियों को ड्रेनेज सिस्टम, बिजली और पानी की व्यवस्था चेक करने का आदेश मिला है। क्टऊने 29 अक्टूबर के बाद मौसम साफ होने के संकेत दिए हैं।

गया में दिनदहाड़े गोलीकांड, बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ बरसाई गोलियांएक की मौत

एजेंसी। पटना

गया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह 8:00 बजे एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। उपेंद्र पासवान के छोटे पुत्र छोटू पासवान को अपराधियों ने दिनदहाड़े गोली मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, छोटू पासवान अपने घर के पास ही थे, जब बाइक सवार कुछ अज्ञात अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ 6 गोलियां चला दीं। गोली लगने के बाद छोटू पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनका निधन हो गया। उनके शव को पुलिस ने तुरंत कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।इस मामले में मृतक के परिजन ने स्थानीय वार्ड पार्षद और उनके सहयोगी पर आरोप लगाया है। परिजन का कहना है कि पार्षद और उनका साथी पहले भी छोटू पासवान पर हमला कर चुके हैं। दोनों के बीच पहले भी गोलीबारी की घटनाएँ हुई हैं, जिसके कारण दोनों आरोपी पहले जेल जा चुके हैं। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए सभी संभावित एंगल पर जांच की जा रही है।

सुभाषितम्

जीवन को कभी हताश न हों, आपका जीवन वही है जहाँ से आपने इसे बनाना चाहा। - रिचर्ड एल इवांस

ट्रंप तुम राजा नहीं हो, विरोध में लाखों लोग सड़कों पर

अमेरिका, जो पूरी दुनिया में लोकतंत्र का प्रतीक माना जाता है, इन दिनों एक नए जन आंदोलन का साक्षी बन रहा है। नो किंग्स डे के रूप में इस विरोध आंदोलन में अमेरिका के सभी राज्यों के लगभग 70 लाख लोग सड़कों पर उतर आए। यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि सत्ता के अहंकार और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के उल्लंघन के खिलाफ है। इस आंदोलन ने सारी दुनिया को चौंका दिया है। इस बार करीब 70 लाख से अधिक नागरिकों ने सड़कों पर उतरकर यह संदेश दिया है, लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली और लोकप्रिय क्यों न हो, वह जनता जनार्दन से बड़ा नहीं हो सकता है। दरअसल अमेरिका के दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले कई महीनों से यह आरोप लग रहा है, कि वह अमेरिका के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। नियमों और कानून का उल्लंघन करके वह मनमाने निर्णय ले रहे हैं। उनका राजनीतिक व्यवहार अहंकार और बयानबाजी ने अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया में अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को एक राजा या अभिजात नेता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका के नागरिकों ने इस मानसिकता को पूरी तरह से नकारते हुए जबरदस्त विरोध करना शुरू कर दिया है। नो किंग्स डे आंदोलन की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, यह किसी हिंसा या अराजकता का आन्दोलन नहीं है। बल्कि शांतिपूर्ण विरोध का प्रतीक बनकर सारी दुनिया के सामने यह आंदोलन है। लोग तख्तियां लिए, झंडे थामे, सड़कों पर उतरे, एक ही सुर में बुलंद आवाज में नारे और स्लोगन के माध्यम से कहा, ह्वट्रंप, तुम राजा नहीं हो ह्व लोकतंत्र में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि हो। अमेरिका की जनता अपने लोकतान्त्रिक अधिकारों को लेकर सजग है। ट्रंप ने इस आंदोलन को ह्वराजाओं की हरकतह्व बताकर आलोचना की है। इस प्रदर्शन के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लड़ाकू विमान उड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। विमान पर लिखा था, ह्वकिंग ट्रंपह्व यह दृश्य जितना व्यंग्यपूर्ण था, उतना ही प्रतीकात्मक भी था। इससे यह संदेश गया कि ट्रंप का राजनीतिक अंदाज अब लोकतांत्रिक आदर्शों, बेशर्मी और बेहआई के साथ अहंकार का प्रदर्शन कर रहा है। अमेरिकी जनता का यह जनजागरण बताता है, यायावर अमेरिका में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं। अमेरिका के नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर हमेशा सजग रहते हैं। जनता यह नहीं चाहती, कोई भी नेता संविधान और जनता की इच्छा से ऊपर उठकर खुद को शासक या राजा माने। अमेरिका की सड़कों पर उमड़ी यह भीड़ सिर्फ ट्रंप के खिलाफ नहीं, बल्कि तानाशाही सोच के खिलाफ शासकों और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक चेतावनी भी है। यह आंदोलन अमेरिका से दुनिया के उन लोकतांत्रिक देशों के लिए स्पष्ट संदेश है, लोकतंत्र में कोई राजा नहीं होता है। सिर्फ जनता ही शासक होती है। जनता ही अपने ऊपर नियंत्रण करने के लिए, निर्वाचित ढंग से शासक चुनती है। जनता विश्वास करके अपने अधिकार अपने नेताओं को सौंपती है। जब नेता अपनी ही जनता के साथ विश्वासघात करने लगते हैं, ऐसी स्थिति में जब जनता जागती है, तो कोई भी शक्ति जनता की ताकत के सामने टिक नहीं पाती है। यही, लोकतंत्र की असली ताकत है। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों में जहां-जहां पर लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम है वहां पर इस तरीके का विरोध इस बात का प्रतीक है कि जब-जब लोकतंत्र में सत्ता में बैठे हुए लोग जनता के अधिकारों पर कुठाराघात करेंगे तब तब यह जनता स्वयं सड़कों पर आकर इसका विरोध करेगी। जनता जब तक विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को स्वीकार करती है तभी तक इनका अस्तित्व है। जब जनता इनका अस्तित्व नकार देती है, तब सड़कों पर यही दृश्य देखने को मिलते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अमेरिका का इतना बड़ा आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण था।

चिंतन-मनन

अंदर से खूबसूरत बनिये संसार आपकी पूजा करेगा

स्मार्ट दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते ब्यूटी पार्लर जाते हैं, महंगे प्रीम पाउडर और ब्यूटी टिप्स को आजमाते हैं। सारे उपाय करने के बावजूद बढ़ती उम्र की निशानियों को उम्र की एक सीमा तक ही छिपा सकते हैं। अंत में खूबसूरती ढ़ल जाती है और जिस सुन्दरता पर लोग नाज करते हैं वह लोगों से दगा कर जाती है। इसलिए संतों और ज्ञानियों ने कहा कि रूप के धन पर इतराना नहीं चाहिए। सबसे उत्तम धन ज्ञान है और इसकी सुन्दरता दिन ब दिन बढ़ती जाती है। इसलिए बाहरी सुन्दरता को संवारने पर समय नष्ट करने की बजाय अंदर की सुन्दरता को निखारने का प्रयास करना चाहिए। व्यवहारिक जीवन में आपने देखा होगा कि किसी की सुंदरता को देखकर आपका मन चाहता होगा कि बार-बार उसे देखें। लेकिन जब आप उस रूपवान व्यक्ति के पास पहुंचते हैं उसके व्यक्तित्व को करीब से जानते हैं तो उससे नफरत होने लगती है। इसके विपरीत किसी कुरूप व्यक्ति को जब आप जानने लगते हैं उसके अंदर के गुण को समझने लगते हैं तो उस कुरूप व्यक्ति के प्रति लगाव और स्नेह बढ़ जाता है। देवी सीता के पिता महाराजा जनक के दरबार में हुई एक घटना इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इनके शासन काल अष्टावप्र नामक एक विद्वान थे। अपने नाम के समान अष्टावप्र का पूरा शरीर टेढ़ा मेढ़ा था। एक बार यह महाराजा जनक की सभा में पहुंचे। ऊंचे आसन पर बैठे सभासद अष्टावप्र को देखकर हंसने लगे। महाराज जनक ने देखा कि सामने से अष्टावप्र पधार रहे हैं। इन्हें देखकर ही सभासद हंस रहे हैं। महाराज जनक अपने सिंहासन से उतरकर अष्टावप्र के पास पहुंचे। इन्हें आदर पूर्वक लाकर अपने सिंहासन पर बैठाया और सभासदों से कहा कि महात्मा अष्टावप्र के चरण धोने हेतु जल लेकर आएं। महाराज ने स्वयं अपने हाथों से अष्टावप्र की सेवा की और सभासदों से कहा कि आप सब मूर्ख हैं जो बाहरी सौन्दर्य को पहचानते हैं।

सज्जनों की शुभ कामनाएं किसी ऋषि के वरदान से कम नहीं होतीं

- कांतिलाल मांडोत

मनुष्य नवीनता-प्रेमी है। सुबह उठते ही नया सुरज देखकर आनन्दित होता है। नये खिले फूल और नयी ताजी हवा से मन प्रसन्न हो उठता है। आज नया वर्ष प्रारम्भ हो रहा है। बेकार हुए पुराने कैलेण्डर हट गये हैं। नये कैलेण्डर आ गये हैं। उनमें हमारा कल झाँक रहा है। मित्र, स्वजन, परिचित और परस्पर व्यापारिक सम्बन्ध रखने वाले बन्धु एक-दूसरे को नये वर्ष की बधाइयाँ दे रहे हैं। नूतन वर्ष अभिनन्दन के शानदार कार्ड और बहुमूल्य तोहफों का आदान-प्रदान हो रहा है। नव वर्ष की शुभ कामनाएँ दी जा रही है, ली जा रही हैं। यह सब किसलिए? एक प्रश्न है ! चिन्तन करें तो समाधान का उत्तर मिलता है-इसके पीछे प्रकृति का एक सनातन सत्य छिपा हुआ है, जो समय बीत गया वह हाथ से निकल गया। उसके विषय में कुछ सोचना-विचारना व्यर्थ है। जो अतीत व्यतीत बन गया, उसका गीत गाना कोई अर्थ नहीं रखता। किन्तु जो सामने आ रहा है वह हमारे हाथ में है। हम उसका चाहे जैसा निर्माण कर सकते हैं। कहते हैं-हमारा आज ही कल का भाग्य-विधाता है। इसलिए लोग बीते वर्ष का अभिनन्दन या अफसोस नहीं करके नये आने वाले वर्ष का अभिनन्दन करते हैं। उसकी शुभ कामनाएँ करते हैं कि इस नव वर्ष को आप अपने पुरुषार्थ, अपनी प्रतिभा और अपनी उदात्त संकल्पशीलता के बल पर सुंदर से सुन्दर, महत्त्वपूर्ण बना सकते हैं। जीवन का स्वर्णिम वर्ष बना सकते हैं। सुन्दर राष्ट्र के निर्माण की ईंट बना सकते हैं। आज जिसके लिए हम बीज बोते हैं, वह फसल कल काटी जायेगी। भविष्य के मन्दिर की नींव आज ही रखी जायेगी इसलिए, आज हमारा है, भविष्य का निर्माण हमारे हाथ में है इसलिए जो कल के लिए चाहते हो, वह आज ही कर लो। आज जो बधाइयाँ, शुभ कामनाएँ दी जा रही हैं वह मामूली चीज नहीं हैं। वह हमारे भविष्य का निर्माण करने में नींव का काम कर सकती हैं। सज्जनों की शुभ कामनाएँ किसी ऋषि के वरदान से कम नहीं होतीं। शुभकामनाएँ शुभ वायुमण्डल का निर्माण करती हैं, शुभ प्रेरणाएँ जगाती हैं और नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। ये शुभ कामनाएँ आपको सावधान करती हैं कि आपका आने वाला कल मंगलमय हो, इसलिए आप आज ही तत्पर होकर अपने भविष्य का चिन्तन करें और नये कार्यक्रम, नई योजनाएँ ऐसी बनाएँ जो आपके जीवन के न केवल भौतिक विकास में, अपितु आध्यात्मिक विकास में, आत्म-अभ्युदय में भी सहायक बनें। स्तम्भ बनकर आपके जीवन महल को सहारा देवें और परिवार, समाज, राष्ट्र एवं समस्त विश्व के कल्याण में योगदान दे सकें। उठो, जागो। जो श्रेष्ठ एवं वरेण्य है, जो आदर्श तुम्हें पुकार रहा है, उसे स्वीकार करो और उस पर चल पड़ो।उठो, प्रमाद मत करो। समय का मूल्य समझो। समय ही सबसे बड़ा धन है। जीवन में ज्ञान और कर्म का संगम करो। यही बात योगेश्वर श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं- जहाँ ज्ञानरूपी कृष्ण और कर्मरूपी अर्जुन खड़े हैं वहीं श्री-लक्ष्मी विजय और ऐश्वर्य है। अजगर की तरह आलस्य में डूबे रहने वाले जीवन को यूँ ही खो देते हैं। जो उत्साही हैं, कर्मशील हैं, जाग्रत हैं वे जीवन की थोड़ी-सी पलों में ही वह कर देते हैं जो युग-युग का इतिहास बन जाता है। जलता हुआ दीप दूसरे दीपों को जला सकता है। बुझा हुआ दीप अँधेरे में ही पड़ा रहता है। इसलिए प्रज्वलित दीपक बनो। इस संसार में ज्योति बनकर जीओ, जो दूसरों को प्रकाश दे। चिनगारी बनकर जीओ, ताकि अँधेरे को रोशनी में बदल सको। कोयला बनकर मत जीओ, जो पड़ा-पड़ा सुलगता रहे, धुआँ उगलता रहे।जिन्दगी बहुत मूल्यवान है। इसका एक-एक पल इतना महत्त्वपूर्ण है कि हम इन पलों में शताब्दियों का इतिहास रच सकते हो, युग की धारा बदल सकते हो, इस प्रवाह को मोड़ सकते हो। बस, आवश्यकता है उत्साह की, उल्लास की और जीवन में कुछ न कुछ नव-निर्माण करने के शुभ संकल्प की। जिन्दगी का अर्थ है उत्साह और साहस। इसलिए आज नव वर्ष के नव सूर्योदय की साक्षी में आपको अपने कर्तव्य का स्मरण कर संकल्प लेना है। जीवन का उद्देश्य निश्चित कर उस दिशा में कदम बढ़ाना है। संघर्ष भी आयेंगे, संकट भी आयेंगे। असफलताएँ भी मिलेंगी। लोगों की आलोचना व चर्चाएँ भी होंगी परन्तु लक्ष्य की तरफ बढ़ने वाले इन सब की उपेक्षा करके इन संघर्षों के तूफानों से टक्कर लेकर बढ़ते ही जाते हैं आपको तूफानों से टक्कर लेना है और कर्त्तव्य की नाव को किनारे तक पहुँचाना है। जीवन के महत्त्वपूर्ण सन्देशों में यूँ तो अनेकों बातें कही जा सकती हैं। सचाई, नैतिक मूल्यों के प्रति निष्ठा, कर्त्तव्य-पालन आदि। किन्तु विस्तृत चर्चा न करके मैं केवल वर्तमान पर ही हमारा ध्यान केन्द्रित करना चाहता हूँ। ऐसे समय में हमारा कर्त्तव्य है, जीवन में आशावादी बनकर, मानवतावादी बनकर जीयें। देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति आशा और आस्था जगाएँ, संकल्प और पुरुषार्थ जगाएँ। केवल अपने लिए ही नहीं जीयें, अपने लिए तो पशु भी जीता है, किन्तु दूसरों के लिए भी जीयें। अपने स्वार्थ को परमार्थ में बदलें। अगर समाज और राष्ट्र सुखी रहेगा तो मनुष्य भी सुखी रहेगा। मनुष्य राष्ट्र के मन्दिर की एक ईंट है। यदि पूरा मन्दिर सुरक्षित रहेगा तो ईंट स्वयं ही सुरक्षित रहेगी। मन्दिर ढह जायेगा तो ईंट का क्या होगा? इसलिए अपना दृष्टिकोण व्यापक बनायें, उदार बनायें और अपने चश्मे से समूची मानव-जाति को देखें। मानवता के कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पशील बनें। जहाँ अभावों का अँधेरा है, अज्ञान की काली रातें गुजर रही हैं और अनीति के राक्षस नृत्य कर रहे हैं, वहाँ नैतिक मूल्यों के नये सूरज की सुनहली किरणों का प्रकाश पहुँचे; सुख, समृद्धि, ज्ञान और सदाचार का उजाला फैले तो हमारी नए वर्ष की शुभ कामनाएँ सार्थक होंगी, सदिच्छाओं का गुलाबी रंग चमेकगा। अवश्य चमकेगा। दीपावली के बाद की प्रतिपदा गुड़ी पड़वा को वैदिक-परम्परा में गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है। लोग अपने घरों के सामने गोवर्धन पर्वत का प्रतीक गोबर का पहाड़ बनाकर उसकी पूजा आज भी गांवो में करते हैं और अपने पशुधन की संवृद्धि की कामना करते हैं। गोवर्धन पूजा के साथ श्रीकृष्ण की एक प्रेरक घटना जुड़ी है। किशोर श्रीकृष्ण ने देखा, लोग इन्द्रदेव की पूजा करते हैं और उनसे अपने धून धान्य की समृद्धि की कामना करते हैं। श्रीकृष्ण ने पूछा- यह इन्द्र-पूजा क्यों करते हैं? लोगों ने कहा- इन्द्र महाराज समय पर जल-वृष्टि करते है, खेतों में धन्य-धान्य की वृद्धि होती है इसके लिए हम इन्द्र की पूजा करते हैं। श्रीकृष्ण ने कहा समय पर वृष्टि होना, धूप तपना, खेतों में अन्य-धान्य उत्पन्न होना यह तो सृष्टि का सहज क्रम है, इसमें इन्द्र का लेना-देवा क्या है? अगर इन्द्र यह सब करता भी है तो प्रजा का पालन करना, संरक्षण करना इन्द्र का कर्त्तव्य है, इसमें एहसान व उपकार की क्या बात है? उसकी पूजा करके अपनी हीनता क्यों प्रगट करते हो? श्रीकृष्ण के समझाने से लोगों ने इन्द्र-पूजा बन्द कर दी। इन्द्रदेव कुपित हो गये और सात दिन तक लगातार गोकुल में मूसलाधार वर्षा होती रही, तूफान आते रहे।

असरानी जीवनपर्यंत हरफनमौला रहे !

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

फिल्म अभिनेता गोवेर्धन असरानी अब हमारे बीच नही है ।84 वर्ष की आयु में दीपावली के दिन उनका निधन हो गया है ।उन्हें भारतीय फिल्मों में कॉमेडी के बादशाह के रूप में जाना जाता रहा। गोवेर्धन असरानी का जन्म 1 जनवरी सन 1940में राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुआ था। उनके चार बहनें और तीन भाई हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई की शुरूआत सेंट जेवियर स्कूल जयपुर से की। उसके बाद उन्होंने स्नातक की पढ़ाई राजस्थान कॉलेज से पूरी की। पढ़ाई खत्म होने के बाद उन्होंने कई वर्षो तक बतौर रेडियो आर्टिस्ट काम किया था। असरानी की शादी अभिनेत्री मंजू बंसल ईरानी से हुई ।असरानी ने अपनी पत्नी के साथ भी कई फिल्मों में भूमिकाएं अदा की हैं। असरानी अब तक 300 से अधिक हिंदी व गुजरती फिल्मों में अभिनय कर चुकें हैं। वह पिछले पांच दशक से हिंदी सिनेमा में सक्रीय हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के अमूमन सभी दिग्गज अभिनेताओं के साथ अभिनय किया हैं। फिल्मी दुनिया में अभिनय के अलावा वह एक राजनीतज्ञ भी रहे हैं। उन्होंने सन 2004 में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी व लोकसभा चुनावों के दौरान उहोने कांग्रेस की जनसभाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा भी लिया था। हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं! फिल्म शोले का यह डायलॉग उनकी जिंदगी में शोहरत लेकर आया था,जो आज भी याद किया जाता है। इस डायलॉग को मशहूर बनाने के पीछे असरानी का ही हाथ है। इस फिल्म में उनका शानदार अंदाज सभी ने देखा है। असरानी की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में होती हैं। उन्होंने अधिकांश फिल्मों में कॉमेडी रोल और सपोर्टिव रोल किए हैं। परन्तु अपने अभिनय कौशल से उन्होंने सभी किरदारों में जान डाल दी थी। असरानी के अंदर सिंगिंग का भी हुनर है ,यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि असरानी ने कई हिंदी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। असरानी के पिता की कारपेट की दुकान थी। मगर, परिवार के बिजनेस में असरानी की बिल्कुल दिलचस्पी न थी। ऊपर से गणित की पढ़ाई में भी वे कमजोर थे। राजस्थान कॉलेज से स्नातक करने के बाद इन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में वॉइस आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरू किया। सन 1964 में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में दाखिला लिया और वहीं अभिनय सीखा।असरानी ने करीब पांच दशक तक फिल्मों में काम किया है। शुरूआत में असरानी को ज्यादा रोल नहीं मिले इसलिए वो एफटीआईआई में ही शिक्षक बन गए थे। असरानी ने दर्शकों को सिर्फ हंसाया ही नहीं, बल्कि मधुर संगीत भी सुनाया है ।सन 1977 में आई फिल्म आलाप में असरानी ने दो गाने गाए, जो उन्हीं पर फिल्माए गए। इसके अलावा फूल खिले हैं गुलशन गुलशन में मशहूर गायक किशोर कुमार के साथ भी एक गाना गाया था ।असरानी ने अधिकतर फिल्मों में साइड रोल किए हैं। चला मुरारी हीरो बनने और सलाम मेमसाहब जैसी फिल्मों में उन्होंने लीड एक्टर के तौर पर भी काम किया था। असरानी ने सन 1967 में रिलीज हुई फिल्म हरे कांच की चूड़ियां से फिल्मों में कदम रखा था। असरानी ने कई फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी है, लेकिन शोले में जेलर के किरदार ने इन्हें खूब लोकप्रियता दिलाई। उन्होंने मेरे अपने, बावर्ची, परिचय, अभिमान, महबूब, बंदिश, चुपके-चुपके जैसी फिल्मों में भी शानदार अभिनय किया है ।फिल्म अभिनेता असरानी से मेरी मुलाकात करीब 5 साल पहले उज्जैन के मौनीबाबा आश्रम में हुई थी,वे बाबा के बड़े मुरीद थे और जब तक बाबा जीवित रहे असरानी की आस्था भी उनके लिए बनी रही।असरानी मौनीबाबा को रुद्र का साक्षात स्वरूप मानते थे ।असरानी बातचीत में भी हरफनमौला थे और अभिनय में भी हरफनमौला रहे ।आठ दशक के अपने जीवन मे असरानी ने लोगो को न सिर्फ खुलकर हंसाया बल्कि एक अच्छे इंसान के रूप में लोगो की जरूरत पड़ने पर मदद भी की ।असरानी के मैनेजर बाबूभाई थीबा ने बताया कि असरानी का निधन जुहू के आरोग्य निधि अस्पाताल में हुआ ।उनका अंतिम संस्कार भी शाम को ही सांताक्रूज वेस्ट के शास्त्री नगर शवदाह गृह में कर दिया गया। इस मौके पर उनके परिजन और करीबी लोग ही मौजूद थे ।असरानी ने एक इंटरव्यू बताया था कि लोग उनको कमर्शियल एक्टर नहीं समझते थे और उन लोगों में सम्पूर्ण सिंह गुलजार भी शामिल थे। उन्होंने बताया था, ह्वगुलजार साहब ने कहा था ना ना...मुझे वो कमर्शियल एक्टर नहीं समझते थे...बोले कुछ अजीब सा चेहरा है। लेकिन जब उन्होंने एक्टिंग में हाथ दिखाए तो फिर उन्हें पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं मिला ।बेशक असरानी अब इस दुनिया में नहीं हैं. लेकिन वे अपने किरदारों से हमेशा जिंदा रहेंगे।

इंडिया गठबंधन में दरार: एनडीए के लिए अवसर

- दिलीप कुमार पाठक

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन के दलों के नाटकीय हालात में, पहले एकजुट होकर एनडीए के खिलाफ लड़ने का दावा करने वाला इंडिया ब्लॉक अब गड़बड़ी और भ्रम के एक हास्यास्पद तमाशे में तब्दील हो गया है ' चुनाव के पहले चरण के करीब आते ही माहौल एनडीए के खिलाफ कड़े मुकाबले का नहीं बल्कि ऐसे फ्रेंडली फाइट्स का बन गया जो इस गठबंधन की नींव को ही कमजोर कर रहे हैं ' इस राजनीतिक नाटक में इंडिया ब्लॉक में मौजूद इस अव्यवस्था से फायदा एनडीए होगा ' अभी कुछ दिनों से एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर दिल्ली से लेकर पटना तक उठापटक चल ही रही है, हालांकि पटना पहुंचकर अमित शाह ने मामले को सुलझा लिया है, भले ही भाजपा के सहयोगी दल नाराज हों परंतु भाजपा को डैमेज कन्ट्रोल आता है, जो कांग्रेस को बिल्कुल भी नहीं आता ' यहाँ इन्डिया गठबंधन में भी सीट शेयरिंग का फामूर्ला तय हो पाया या नहीं कहना बड़ा कठिन है, क्योंकि कई सीटों पर आरजेडी ने कांग्रेस के विरुद्ध उम्मीदवारों को उतार दिया है ' खबर ऐसी भी चल रही है कि लालू यादव और तेजस्वी ने कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के खिलाफ ही अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया है' एक तरफ इंडिया गठबंधन बिहार में परिवर्तन के नाम पर हुंकार भर रहा था तो दूसरी तरफ अभी तक आरजेडी एवं कांग्रेस के बीच आपसी समन्वय स्थापित नहीं हो पाया है, जबकि चुनाव में 20 दिन से भी कम समय बचा हुआ है ' ऐसे आपसी कलह के बाद मोदी - शाह एवं ताकतवर भाजपा से विजयी होना तो दूर की बात है, फि लहाल पार पाना इन्डिया गठबंधन के लिए अभी बड़ा मुश्किल सा लग रहा है ' महागठबंधन में जब नीतीश कुमार साथ थे तब आरजेडी की भूख कम थी, तब कम सीटों पर भी चुनाव लड़कर आरजेडी संतुष्ट थी, अब तो जेडीयू महागठबंधन को छोड़कर एनडीए में है तो आरजेडी की भूख और बढ़ गई है या यूं कहिए पिछले चुनावों में ज़्यादा सीटें मिल जाने का उत्साह जो कम होने का नाम नहीं ले रहा ' आरजेडी को सोचना चाहिए कि उनका मुकाबला ताकतवर भाजपा से है ' कांग्रेस खुद के लिए बिहार में कुछ नहीं कर पा रही बल्कि प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष आरजेडी का सहयोग ही कर रही है' कांग्रेस के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो राष्ट्रीय स्तर की पार्टी कांग्रेस की हालत बिहार में बेहद खराब है, न तो बिहार में कांग्रेस के नेता दिखाई दे रहे हैं और न ही कांग्रेस के कार्यकर्ता ' बिहार में कांग्रेस के पास कार्यकर्ता हैं भी या नहीं ये भी बड़ा प्रश्न है ' कांग्रेस पार्टी बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश जैसे बड़े राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों की पिछलग्गू पार्टी बनकर रह गई है ' भाजपा की तुलना में कांग्रेस आज बेहद दयनीय स्थिति में दिखाई दे रही है ' अब तो खबरें आ रहीं हैं कि बिहार कांग्रेस के नेताओं और आरजेड़ी के नेताओं में बातचीत बंद हो गई है जिसकी खबर पटना से लेकर दिल्ली तक तैर रही है ' कई सीटों पर कांग्रेस और आरजेडी के प्रत्याशी एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं ' ऐसी स्थिति में एनडीए के नेता भी महागठबंधन पर तंज कस रहे हैं औ? एनडीए की एकता की बात कह रहे हैं ' चुनावी मैदान में कई सीटों पर कांग्रेस और आरजेडी एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं ' दोनों के प्रत्याशी आमने-सामने हैं ' कांग्रेस के नेताओं का यह मानना है कि जब गठबंधन है तो ऐसी स्थिति क्यों पैदा हुई? कांग्रेस के नेताओं का मानना है की अब आरजेडी को फैसला लेना है कि वह क्या अपने उम्मीदवारों का नॉमिनेशन वापस लेंगे या फिर एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे ?

आज का राशिफल

मेष आज का दिन मेष राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव लेकर आ सकता है।

तुला अपनी क्षमता पर भरोसा रखना होगा। दूसरों पर निर्भर रहने से आपकी प्रगति धीमी हो सकती है।

वृषभ दिन जातकों के लिए महत्वपूर्ण दिख रहा है। निर्भर रहने की आदत का आज त्याग करना पड़ेगा।

वृश्चिक दिन भावनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। कुछ खास प्रसंग आपके सामने आ सकते हैं।

मिथुन दिन शुभ फल देने वाला रहेगा। दिन के समय में छिटपुट आर्थिक लाभ की संभावना बन रही है।

धनु लंबे समय के बाद आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना नजर आ रही है।

कर्क चौगुनी तरक्की लेकर आया है। आपके द्वारा किए गए समाज सेवा के कार्यों में प्रगति मिलेगी।

मकर आज का दिन चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। आज आप कई प्रकार की उलझनों में फंस सकते हैं।

सिंह आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। आपके लंबे समय से किए गए प्रयास रंग लाएंगे।

कुंभ अपनी मंजिल के करीब पहुंचने के बावजूद आप अपने आपको पीछे महसूस कर सकते हैं।

कन्या अपने मित्रों और प्रियजनों की खातिर अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज करने से बचें।

मीन आज दिन अनुकूल रहेगा। किसी संत या महात्मा के विचारों पर गहराई से ध्यान दे सकते हैं।

विशेष

राहुल से डर गई है, भाजपा?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से क्या बीजेपी डरी हुई है। इसको लेकर अब दुनिया भर में तरह-तरह की चचाएं होने लगी हैं। डोनाल्ड ट्रंप की किसी बात का जवाब प्रधानमंत्री मोदी नहीं देते हैं। ट्रंप लगातार प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार पर निशाना साधते हैं ।राहुल गांधी का कहना है,मोदी जी ट्रंप से डरे हुए हैं। भाजपा की ट्रोल आर्मी जिस तरह से राहुल गांधी को कवर कर रही है। हर दिन और हर मौके पर उनको निशाने पर लिया जा रहा है। इसको लेकर कहा जा रहा है। भाजपा ने पहले राहुल गांधी को पप्पू बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।अब भाजपा राहुल गांधी को नेता बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है ।भाजपा डरकर कर रही है, या कोई मिली भगत है?

डबल इंजन की सरकारों में कोई नियम कानून नहीं

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव पिछले 3 साल से नहीं हुए हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट चुनाव कराने के आदेश कई बार दे चुके हैं। महाराष्ट्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों का कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। पहले ओबीसी आरक्षण के नाम पर चुनाव टाले गए। अब मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर चुनाव टाले जा रहे हैं। मुंबई महानगर पालिका के भी चुनाव नहीं हुए। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार पिछले 3 साल से नगरीय निकायों के चुनाव नहीं हो रहे हैं। इसको देखते हुए अब लोग कहने लगे हैं। समरथ को नहीं दोष गुसाईं, तुलसीदास जी लिख गए हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1681: मेवाड़ के राणा राजसिंह का निधन। 1796: पेशवा माधव राव द्वितीय ने आत्म हत्या कर ली। 1873: स्वामी राम तीर्थ का जन्म। 1952: ईरान ने तेल विवाद के कारण ब्रिटेन से राजनयिक संबंध तोड़ लिए। 1953: फ्रांस ने लाओस को स्वतंत्र किया। 1956: ५हंगरी में लोकतांत्रिक सरकार के गठन की मांग के समर्थन में प्रदर्शन शुरू हुए। 1962: भाकड़ा नांगल नदी घाटी परियोजना राष्ट्र को समर्पित की गयी। 1969: लेबनान के प्रधानमंत्री रशीद करामी ने इस्तीफा दिया। 1977: राष्ट्रसंघ महासभा में 42 देशों ने विमान अपहरण के मामले पर विचार विमर्श का आग्रह किया। 1989: राष्ट्रकुल के 49 देशों ने दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध और कड़ा करने का समर्थन किया। 1991: केन्या ने नार्वे से राजनयिक संबंध तोड़ लिए। 1991: यूगोस्लाविया के रक्षा मंत्री ने यूरोपीय समुदाय का शांति प्रस्ताव ठुकरा दिया।

दैनिक पंचांग

22 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: शुक्र ६, ५ केतु, ८, ९, बुध चंद्र सूर्य मंगल ७, १० ४ गुरु, १, राहु, ११, १२ शनि, ३, २)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.39 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	07.58 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.14 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.19 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.05 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	15.38 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.09 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	18.49 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	20.47 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.00 बजे से
12.00 से 1.30		सिंह	01.17 बजे से
बजे तक		कन्या	03.29 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 295 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 20.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 01.52 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 04.06 बजे रात्र को समाप्त। **करण** किस्तुघ्न 07.05 बजे तदनन्तर बव 20.17 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 04' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872505 **जूलियन दिन** 2460970.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 29 **विशेष** गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, बलि प्रतिपदा, द्युता क्रीडा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

दिवाली-छठ पर मुंबई से रांची जाने वालों की बढ़ीं मुश्किलें, कई ट्रेनों में नो रूम

रांची, एजेंसी। दीवाली–छठ पर मुंबई से रांची आने में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज दीवाली है और छठ आने वाला है। इसी के मद्देनजर बाहर रह रहे लोग त्योहारों पर अपने घर की ओर निकल पड़े हैं। रेलवे ने यात्रियों के लिए कई ट्रेनें चलाई हैं। लेकिन भीड़ के चलते इन ट्रेनों में इस समय सीट मिलना मुश्किल लग रहा है। ट्रेनों में रिजर्वेशन को लेकर मारामारी है। सीटें नहीं मिल रही हैं। ऐसे में आपकी सहूलियत का ख्याल रखते हुए हम आपको आज मुंबई से चलकर रांची को जाने वाली ट्रेनों में बुकिंग की स्थिति बताने जा रहे हैं, जिसे देख आप फटाफट अपना सफर प्लान कर सके।

रांची के बेड़ो में दीपावली की रात गोलीकांड

रांची, एजेंसी। रांची जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र स्थित मुडामु गांव में दीपावली की रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना देर रात लगभग दो बजे घटी। मृतक सोमा उरांव गांव के ही अखाड़ा में जुआ खेल रहे थे। मृतक के पिता फगुवा उरांव ने बताया कि तभी एक अज्ञात अपराधी दो हाथों में पिस्टल लहराते हुए आया और सोमा उरांव को सटाकर कई गोलियां दाग दीं। गोलीबारी के दौरान अखाड़ा में मौजूद अन्य लोग डर के मारे इधर–उधर भाग खड़े हुए। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी अशोक कुमार राम, पुलिस निरीक्षक उत्तम कुमार उपाध्याय, थाना प्रभारी सुजीत कुमार उरांव और फोरेंसिक जांच टीम सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक सोमा उरांव पूर्व में हत्या के मामले में दो बार जेल जा चुका था। लगभग एक साल पहले जेल से छूटने के बाद अपने गांव में रह रहा था। सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार उपाध्याय ने बताया कि हत्या के कारणों की गहन छानबीन की जा रही है। पुलिस परिजन और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। मामले का खुलासा जल्द किया जा सके। इस संबंध में पुलिस ने कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। जांच में यह भी देखना है कि घटना का कोई पुराना विवाद या बदला इसमें शामिल तो नहीं है। घटना के बाद मुडामु गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में सघन गश्त बढ़ा दी है। घटना ने एक बार फिर गांवों में जुए और अवैध गतिविधियों के खतरों पर चिंता बढ़ा दी है।

दीपावली की रात गुमला में भीषण आग, दीये से पॉलिथीन में पकड़ी आग, तीन लाख का नुकसान

गुमला, एजेंसी। दीपावली की खुशियों के बीच गुमला जिले के सदर प्रखंड स्थित मुरकुंडा गांव में बीती रात शुभम किराना स्टोर में आग लग गई। जिससे दुकान में रखे लगभग तीन लाख रुपए के सामान जलकर राख हो गए। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही पूरी दुकान धधक उठी। बताया जा रहा है कि आग की वजह दीपावली पर जलाया गया एक दिया था, जिसकी लौ से पास रखे सामान ने आग पकड़ ली। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दीपावली की रात करीब नौ बजे दुकान में रखे दीपक की लौ से पास रखे प्लास्टिक के थैलों में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें इतनी विकराल हो गईं कि पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय ग्रामीणों और आस–पास के दुकानदारों ने पानी और बालू डालकर आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन तब तक दुकान में रखे ज्यादातर सामान जल चुके थे। आग की तेज लपटों से आसपास के घरों में भी दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत दमकल विभाग को खबर दी, लेकिन जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, तब तक आग अपना काम कर चुकी थी। ग्रामीणों ने बताया कि दमकल की गाड़ी गांव तक पहुंचने में काफी देर हुई, जिसकी वजह से नुकसान और बढ़ गया। हादसे में दुकान के संचालक मामूली रूप से झुलस गए, जिन्हें ग्रामीणों ने पास के स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा। घटना के बाद पूरे मुरकुंडा गांव में दहशत और अफरा–तफरी का माहौल हो गया। दीपावली की रात जहां पूरे गांव में खुशी का माहौल था, वहीं इस हादसे ने त्योहार की रौनक फीकी कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में इस तरह की आग लगने की यह पहली घटना है। लोग अब भी स्तब्ध हैं कि एक छोटा–सा दिया इतनी बड़ी अनहोनी का कारण बन जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित दुकानदार को उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि उसे दोबारा अपने व्यवसाय को शुरू करने में मदद मिल सके।

रांची के चौपाटी रेस्टोरेंट मालिक विजय नाग हत्याकांड

मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह मुठभेड़ में घायल, पैरों में लगी गोली, 24 घंटे में तीन धराए

रांची, एजेंसी। कांके रोड स्थित चौपाटी रेस्टोरेंट के संचालक विजय नाग की हत्या के मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह की रविवार देर रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ सुकुरहुट्टू क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अभिषेक के दोनों पैरों में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके संपर्क में रहने वाले हरेंद्र सिंह और जेठा को भी हिरासत में लिया है। शनिवार रात बिरयानी को लेकर हुए विवाद में विजय नाग की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने घटनास्थल से कई सुराग जुटाए थे। लगातार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही थी।

बिहार भागने की फिराक में था आरोपी : पुलिस जांच में पता चला है कि अभिषेक सिंह मूल रूप से बिहार का निवासी है और फिलहाल कांके स्थित भिट्ठा में रहता था। वह कांके इलाके में जमीन खरीद-बिक्री के कारोबार से जुड़ा हुआ था और कई लोगों से जमीन विवाद में भी उलझा था। हत्या के बाद वह बिहार भागने की फिराक में था।

पुलिस की सक्रियता के कारण वह रिंग रोड के पास ही पकड़ लिया गया। एएसपी के निर्देश पर बॉर्डर इलाकों में पहले से निगरानी बढ़ा दी गई थी, इसी दौरान उसकी गाड़ी पुलिस की नजर में आ गई। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने फायरिंग शुरू कर दी, जवाबी कार्रवाई में उसके पैरों में गोली लगी।

हत्या के विरोध में कांके रोड जाम : इधर, विजय नाग की हत्या से आक्रोशित स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों ने रविवार सुबह करीब 9 से 10 बजे तक कांके रोड को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग की।

सड़क जाम की सूचना पर कांके थाना प्रभारी और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को आश्वासन दिया कि अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी होगी। पुलिस की तत्परता से 24 घंटे के अंदर तीन लोगों की गिरफ्तारी ने लोगों में आंशिक संतोष तो दिलाया, लेकिन घटना को लेकर आक्रोश कम नहीं हुआ है।

चैंबर बोली- अपराधियों में नहीं बचा पुलिस का खौफ : विजय नाग की हत्या के बाद झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने राजधानी की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर गंभीर चिंता जताई है। रविवार को चैंबर भवन में आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल उपस्थित थे।

लॉ एंड ऑर्डर उप समिति के चेयरमैन मुकेश अग्रवाल ने घटनास्थल का दौरा कर अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की। होटल और बैंक्वेट उप समिति के चेयरमैन त्रिलोचन सिंह ने कहा कि राजधानी में दिनदहाड़े हत्या और गोलीकांड की घटनाएं हो जा रही हैं। अपराधियों में प्रशासन का भय समाप्त हो गया है। उन्होंने पुलिस से मांग की कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर राजधानी में कानून का खौफ बहाल किया जाए।

चाईबासा में पुलिस स्मृति दिवस

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय के पुलिस केंद्र में मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा और एसपी अमित रेणु ने कर्तव्यपथ पर शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान दोनों अधिकारियों ने शहीद परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने परिवारों की समस्याओं को सुना और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस विभाग हमेशा शहीद परिवारों के साथ खड़ा है और उनकी देखभाल व सहयोग के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा ने कहा कि शहीद जवानों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। एसपी अमित रेणु ने भी शहीदों की वीरता को याद करते हुए कहा कि उनका साहस और समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

रेस्टोरेंट मालिक की हत्या के मामले में तीन गिरफ्तार, मुख्य आरोपी और निलंबित पुलिसकर्मी भी शामिल

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस ने रांची में एक रेस्टोरेंट मालिक की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मुख्य आरोपी और एक निलंबित पुलिसकर्मी भी शामिल है। पुलिस अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। आरोपियों में से एक प्रशांत कुमार सिंह को रविवार को गिरफ्तार किया गया। उसकी दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह और निलंबित पुलिसकर्मी हरेंद्र सिंह को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दोनों पैरों में लगी गोली : सूचना मिली थी कि मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह अपने परिवार के साथ रांची से भागने की कोशिश कर रहा है। इस पर पुलिस ने कई जगहों पर चेकप्वाइंट लगाए। रविवार रात कांके थाना क्षेत्र के आईटीबीपी कैंप के पास पुलिस ने उन्हें देख लिया और घेर लिया। ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि पुलिस के साथ मुठभेड़ में अभिषेक सिंह को दोनों पैरों में गोली लगी। उसे राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती कराया गया है।

कांके थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद पकड़े गए दो आरोपी : उन्होंने कहा कि पुलिस ने निलंबित पुलिसकर्मी हरेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जिसने अभिषेक को हथियार उपलब्ध कराए थे। एसपी ने कहा कि रविवार रात करीब 10-30 बजे कांके थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दोनों को पकड़ा गया। उन्होंने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें अभिषेक के पैरों में गोली लगी। एसपी ने बताया कि हरेंद्र सिंह पहले झारखंड पुलिस में सिपाही था और वह पिछले पांच साल से निलंबित चल रहा है।

पूछताछ में अभिषेक ने कबूल किया कि हरेंद्र सिंह ने ही उसे हथियार दिया था। हरेंद्र का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पलामू के पाटन समेत अर्जुन और गोंडा थानों में तीन मामले लंबित हैं। अभिषेक सिंह बिहार के औरंगाबाद जिले का निवासी है और उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने कांके और पिठोरिया थानों में चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि चौथे आरोपी अमित ठाकुर की तलाश जारी है।

एसपी ने कहा कि हमने उनके पास से चार पिस्तौल, 31 कारतूस, एक राइफल, दो लाख रुपये नकद, दो चारपहिया वाहन और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मामले की जांच जारी है। गौरतलब है कि रांची में शनिवार रात एक रेस्टोरेंट मालिक विजय कुमार नाग (47) की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जब कथित रूप से एक शाकाहारी ग्राहक को नॉन-वेज बिरयानी परोस दी गई थी।

जामताड़ा पुलिस ने चोर गिरोह के 2 सदस्य पकड़े, चोरी की 12 मोटरसाइकिलें बरामद, एक आरोपी फरार हुआ

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की 12 मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। जामताड़ा थाना क्षेत्र में बढ़ती मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। यह विशेष टीम अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित की गई थी, जिसमें जामताड़ा थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम को मोटरसाइकिल चोरी के मामलों का खुलासा करने का जिम्मा सौंपा गया था। रविवार शाम को टीम जामताड़ा के पोसोइ मोड़ के पास नारायणपुर की ओर से आने वाली मोटरसाइकिलों की सघन जांच कर रही थी।

इसी दौरान शाम करीब 6 बजे एक काले रंग की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (जेएच 21 एल 6959) पर दो व्यक्ति नारायणपुर की तरफ से आ रहे थे। पुलिस टीम को देखते ही मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा व्यक्ति बाइक से कूदकर खेत की ओर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह भागने में सफल रहा।

हालांकि, मोटरसाइकिल चला रहा व्यक्ति पुलिस की गिरफ्त में आ गया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपनी पहचान नारायणपुर निवासी मकसूद अंसारी उर्फ बहिरा, पिता हारून अंसारी के रूप में बताई। उसने यह भी बताया कि भागने वाला उसका साथी नारायणपुर निवासी जैनुल अंसारी उर्फ नचनियां था। मकसूद अंसारी ने पुलिस को बताया कि वह और जैनुल अंसारी मिलकर मोटरसाइकिल चोरी करते हैं। उसने यह भी कबूल किया कि वे चोरी की मोटरसाइकिलों को करमाटांड़ निवासी सहाबुद्दीन अंसारी और सुकदुडीह निवासी बकरीद मियां को बेचते थे। पुलिस ने मकसूद की निशानदेही पर सहाबुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार किया। सहाबुद्दीन से पूछताछ के बाद चोरी की 12 अन्य मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं।

मौसम बदलेगा रंग : दीवाली ही नहीं, छठ पर भी होगी झमाझम बारिश !

रांची, एजेंसी। एक ओर जहां त्योहारी मौसम में उमंग और उत्साह का माहौल बना है तो दूसरी ओर राजधानी रांची समेत पूरे राज्य का मौसम शुष्क बना हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने भी पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि राज्य के दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में 20 अक्टूबर को दिनभर आंशिक बादल छाए रहेंगे। साथ ही मेघगर्जन के साथ वर्षा होने की भी संभावना है।

साथ ही राज्य के शेष हिस्सों में भी कहीं-कहीं आंशिक बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। वहीं, 21 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी हिस्सों के साथ साथ निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और

इन जिलों में यह स्थिति 24 अक्टूबर तक बनी रहेगी। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से राज्य में बदल रहे मौसम के कारण शाम ढलते ही सिहरन का असर देखने को मिल रहा है।

धीरे धीरे लोगों ने गर्म कपड़े निकालना शुरू कर दिया है। अहले सुबह कोहरे का असर देखने को मिल रहा है तो शाम ढलते ही अब ठंड का अहसास होने लगा है, मौसम में हो रहे बदलाव के कारण अब ठंड का अहसास होने लगा है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राजधानी रांची में मेघ गर्जन के साथ आंशिक बादल छाए रहने की संभावना छठ पूजा तक बनी रहेगी।

ऐसा रहा मौसम

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस पाकुड़ का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस गुमला का रिकॉर्ड किया गया। वहीं, राजधानी रांची की बात करें तो अधिकतम 31 डिग्री जबकि न्यूनतम 19.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

गिरिडीह में हत्यारोपी पुलिस को चकमा देकर फरार-स्थानीय लोगों की मदद से फिर पकड़ा गया, हथकड़ी समेत भागने का किया प्रयास

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में सोमवार को कोर्ट परिसर के बहार से हत्या का एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस व स्थानीय लोगों की सूझबूझ और साहस से उसे कुछ ही देर में पकड़ लिया गया, जिससे एक बड़ी घटना होने से टल गई।

धनवार थाना क्षेत्र के अंबाटांड़ पंचायत के गरडीह गांव निवासी 25 वर्षीय बच्चू सिंह को पुलिस मेडिकल जांच के बाद कोर्ट में पेशी के लिए लाई थी। बच्चू सिंह पर शनिवार को 55 वर्षीय रवींद्र सिंह की कुल्हाड़ी से हत्या करने का आरोप है।

कोर्ट में पेश करने से पहले ही आरोपी हथकड़ी लगे होने के बावजूद पुलिस की निगरानी से निकलकर तेजी से टावर चौक की दिशा में भागने लगा। आरोपी के अचानक भागने से मौके पर अफरातफरी मच गई।

राहगीरों ने हिम्मत जुटाकर उसे रोक लिया

आरोपी अम्बेडकर चौक के पास पंच मंदिर के पास पहुंचा ही था कि वहां मौजूद स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने हिम्मत जुटाकर उसे रोक लिया और पकड़ लिया। साथ ही पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने कब्जे में लेकर पुनः कोर्ट ले गई। इस मामले पर धनवार थाना प्रभारी सतेंद्र पाल ने बताया कि हत्या के आरोपी को जेल भेजने के लिए गिरिडीह भेजा गया था। आरोपी ने हथकड़ी समेत भागने का प्रयास किया था, लेकिन पुलिस द्वारा उसे तुरंत पकड़ लिया गया।

इस घटना के बाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता पर सवाल उठने लगे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग ने ड्यूटी पर तैनात जवानों की लापरवाही की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, स्थानीय लोगों की त्वरित कार्रवाई और सजगता ने स्थिति को बिगड़ने से बचा लिया।

हजारीबाग में युवक को गोली मारा-कमर, चेहरे और जांघ में लगी तीन गोलियां, जमीन विवाद में फायरिंग, आज हुई मौत

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र के टाउन रेलवे स्टेशन के समीप एक युवक को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में कुद निवासी उमेश प्रजापति को निशाना बनाया गया है। उन्हें गंभीर हालत में स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति नाजुक बताई। परिजनों के मुताबिक, उमेश रोज की तरह दूध बेचने के बाद घर लौट रहे थे, तभी रेलवे स्टेशन के पास पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने के बाद उमेश मौके पर गिर पड़े, स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

कमर, चेहरे और जांघ में लगी तीन गोलियां : डॉक्टरों के अनुसार, उमेश प्रजापति को कमर, चेहरे और जांघ में तीन गोलियां लगी हैं। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन कर गोलियां निकालीं, लेकिन लगातार खून बहने से उनकी हालत गंभीर बनी रही। परिजन और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में अस्पताल में मौजूद रहे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायल से पूछताछ की कोशिश की, लेकिन उनकी स्थिति नाजुक होने के कारण बयान दर्ज नहीं किया जा सका। आज उसकी मौत हो गई है।

जमीन विवाद बताया जा रहा कारण, छह लोगों पर आरोप : परिजनों ने इस हमले के पीछे पुराने जमीन विवाद को कारण बताया है। उन्होंने दीपू गढ़ा निवासी राम प्रसाद राम, उनके बेटों पप्पू कुमार, शंभू कुमार, अविनाश कुमार, पवन कुमार और शंभू प्रजापति पर गोली चलाने का आरोप लगाया है।परिजनों का कहना है कि जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार विवाद और झड़पें हो चुकी हैं। पुलिस ने परिजनों के बयान पर मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने शुरू की छापेमारी : घटना की सूचना पर एडिशनल एसपी अमित कुमार, एसडीपीओ अमित आनंद, पुलिस निरीक्षक शाहीद रजा और थाना प्रभारी प्रमोद कुमार राय मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया और अस्पताल जाकर उमेश की स्थिति की जानकारी ली। एएसपी अमित कुमार ने बताया कि अपराधियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

जैट 2026 : दूसरे मॉक टेस्ट के लिए 26 अक्टूबर तक मौका, 4 जनवरी को होगी मुख्य परीक्षा

जमशेदपुर, एजेंसी। देश के प्रतिष्ठित मैनेजमेंट कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (जैट) 2026 की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। ङ्क्रन्ध्र जमशेदपुर ने दूसरे ऑफिशियल मॉक टेस्ट का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 26 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

जो भी उम्मीदवार अपनी तैयारी का आकलन करना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट &atonline.in पर जाकर मुख्य परीक्षा के लिए पंजीकरण करके इस माक टेस्ट में शामिल हो सकते हैं।

एक्सएटी 2026 की मुख्य परीक्षा अगले साल 4 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू हो चुकी है और उम्मीदवार 5 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। जो उम्मीदवार 26 अक्टूबर तक अपना पंजीकरण पूरा कर लेंगे, केवल उन्हें ही माक टेस्ट में शामिल होने का मौका मिलेगा।

दूसरा मॉक टेस्ट 29 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, पहला मॉक टेस्ट 27 और 28 सितंबर को आयोजित हो चुका है। यह माक टेस्ट उम्मीदवारों के लिए अपनी तैयारी को जांचने का एक सुनहरा अवसर है।

इससे उन्हें वास्तविक परीक्षा के पैटर्न, सवालों के प्रकार और कठिनाई के स्तर को समझने में मदद मिलती है। साथ ही, वे टाइम मैनेजमेंट का अभ्यास भी कर सकते हैं, जिससे मुख्य परीक्षा के दिन बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलेगी।

जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (जैट) एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जिसका आयोजन एक्सएलआरआइ जमशेदपुर द्वारा किया जाता है। इस परीक्षा के स्कोर के आधार पर एक्सएलआरआइ समेत देश के 800 से भी ज्यादा बिजनेस स्कूलों में एमबीए और पीजीडीएम जैसे मैनेजमेंट कोर्सेज में दाखिला मिलता है। यह परीक्षा कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) मोड में देश के 70 से अधिक शहरों में आयोजित की जाती है।

मॉक टेस्ट में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को सबसे पहले जैट 2026 की मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करना होगा। आधिकारिक वेबसाइट ×ड्डह्लश्ठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग.द्बठ्ठ पर जाएं। रजिस्टर या अप्लाई नाऊ पर क्लिक करके नाम, ईमेल और मोबाइल नंबर जैसी जानकारी दर्ज करें। और हस्ताक्षर की स्कैन की हुई कापी अपलोड करें। शुल्क ऑनलाइन भुगतान करें।

दुनिया में कहां है अमीरों का शहर? यहां हर 24वां आदमी है करोड़पति

क्या आप उस शहर के बारे में जानते हैं, जहां दुनिया के सबसे ज्यादा अमीर लोग रहते हैं. जी हां, यहां का हर दूसरा शख्स आम लोगों से ज्यादा अमीर है. हम आपको बताते हैं कि इस शहर में लोग इतने अमीर कैसे हैं और यहां करोड़पतियों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है. दुनिया का हर इंसान पैसा चाहता है. शायद ही आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हों, जहां सिर्फ और सिर्फ अमीर लोग रहते हैं. यहां का हर 24वां आदमी करोड़पति है और इनकी संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है. आप सोच रहे होंगे कि ये शहर कहां हो सकता है, तो आपको बता दें कि ये अमेरिका की एक ड्रीम सिटी न्यूयॉर्क है.

यहां रहते हैं सबसे अमीर लोग

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हर 24वां व्यक्ति करोड़पति है. हेनले एंड पार्टनर्स की ओर से जारी सबसे अमीर शहरों की इस सूची के मुताबिक न्यूयॉर्क में लगभग 3,49,500 करोड़पति रहते हैं. पिछले 10 वर्षों में ये संख्या लगभग 48 प्रतिशत बढ़ी है. न्यूयॉर्क की कुल जनसंख्या लगभग 82 लाख है, ऐसे में वहां रहने वाला हर 24वां शख्स करोड़पति है. रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क में 60 सुपर रिच लोग भी रहते हैं, जबकि 744 लोगों के पास 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा की संपत्ति है.

भारत का एक भी शहर नहीं टॉप 10 में इस सूची में हेनले एंड पार्टनर्स ऐसे लोगों को शामिल करते हैं जिनके पास कम से कम 1 मिलियन डॉलर का निवेश है. दूसरे स्थान पर सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र है, जिसमें 3,05,700 करोड़पति रहते हैं. सूची में तीसरे स्थान पर मौजूद टोक्यो में 2,98,300 करोड़पति हैं. हालांकि, एक दशक में इस शहर में करोड़पतियों की संख्या में 5 प्रतिशत की कमी आई है. सूची में चौथे स्थान पर मौजूद सिंगापुर में 2,44,800 करोड़पति हैं. भारत का कोई शहर इसमें टॉप 10 का हिस्सा नहीं है लेकिन पिछले एक दशक में यहां अमीर लोगों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है. वहीं, लंदन में करोड़पतियों की संख्या में एक दशक में 10 फीसदी की गिरावट आई है.

ये है दुनिया की आखिरी सड़क, यहां अकेले जाना है माना

ई-69 हाइवे 14 किलोमीटर लंबा है, जो पृथ्वी के छोर और नॉर्वे को जोड़ता है। इस हाइवे पर कई ऐसी जगहें हैं, जहां गाड़ी चलाना और अकेले पैदल चलना मना है।

दुनिया की कई जगहों पर आप गए होंगे। क्या आपके मन में कभी यह सवाल आया कि आखिर दुनिया कहां पर खत्म होती है? दुनिया की आखिरी छोर क्या है? हो सकता है कि आपके मन में यह सवाल नहीं आया हो। हालांकि, एक जगह ऐसी है, जहां माना जाता है कि दुनिया खत्म हो जाती है। यह एक सड़क है, जो दुनिया की आखिर सड़क मानी जाती है। माना जाता है कि इस सड़क के बाद दुनिया खत्म हो जाती है।

इस सड़क का नाम ई-69 हाइवे है। माना जाता है कि यह दुनिया की आखिरी सड़क है। यूरोपियन देश नॉर्वे में ई-69 हाइवे स्थित है। उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर उत्तरी बिंदु है। यहां पर पृथ्वी की धुरी घूमती है। यह नॉर्वे का आखिरी छोर है। यहां से आगे जाने वाले रास्ते को दुनिया की आखिरी सड़क माना जाता है। बताया जाता है कि हाइवे के खत्म होने के बाद सिर्फ ग्लेशियर और समुद्र नजर आता है और इसके सिवाय कुछ नहीं दिखाई देता है।

ई-69 हाइवे 14 किलोमीटर लंबा है, जो पृथ्वी के छोर और नॉर्वे को जोड़ता है। इस हाइवे पर कई ऐसी जगहें हैं, जहां गाड़ी चलाना और अकेले पैदल चलना मना है। आइए जानते हैं आखिरी क्या है दुनिया के आखिर सड़क की कहानी?

14 किमी ई-69 हाइवे पर कई लोग एक साथ हों, तभी आप यहां से गुजर सकते हैं। इसके पीछे वजह यह है कि हर तरफ बर्फ की मोटी चादर बिछी है। इसकी वजह से यहां खो जाने का खतरा हमेशा बना रहता है।

उत्तरी ध्रुव के पास होने की वजह से यहां यहां सर्दियों के मौसम में न तो रातें खत्म होती हैं और न ही गर्मियों में सूरज डूबता है। कभी-कभी तो यहां लगभग छह महीने तक सूरज चमकता ही नहीं है। सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 43 डिग्री से माइनस 26 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहता है, तो वहीं गर्मियों में तापमान का औसत जमाव बिंदु जीरो डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है।

सबसे हैरानी वाल बात यह है कि इतनी भीषण ठंड पड़ने के बावजूद यहां लोग रहते हैं। पहले यहां सिर्फ मछली का कारोबार होता था। 1930 से इस जगह का विकास होना शुरू हुआ। करीब चार साल बाद यानी 1934 में यहां के लोगों ने मिलकर फैसला किया कि यहां सैलानियों का भी स्वागत किया जाना चाहिए, ताकि उनकी कमाई का एक अलग जरिया बने।

अब दुनियाभर से लोग उत्तरी ध्रुव घूमने के लिए आते हैं। यहां उन्हें एक अलग दुनिया में होने का अहसास होता है। यहां डूबता हुआ सूरज और पोलर लाइट्स तो देखते ही बनता है। गहरे नीले आसमान में कभी हरी तो कभी गुलाबी रोशनी देखने को मिलती है। पोलर लाइट्स को ऑरोरा भी कहा जाता है। यह रात के समय दिखाई देता है, जब आसमान में घुप्प अंधेरा छाया रहता है।

इस देश की है सबसे कम आबादी, रहते हैं सिर्फ इतने लोग

दुनिया में सबसे अधिक आबादी भारत की है, जिसके बाद चीन का नंबर है लेकिन क्या आप जानते हैं दुनिया में एक ऐसे देश है जिसकी जनसंख्या 500 से भी कम है। इस देश का नाम वैटिकन सिटी है, जहां की आबादी 500 भी नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां पर सिर्फ 498 लोग रहते हैं। इस देश की सेना में सिर्फ 135 जवान है। यहां की आर्मी का नाम स्विस गार्ड है, जो पोप की रक्षा करती है। यह देश पहले रोम का हिस्सा था, लेकिन 1929 में अलग हो गया था।

साथी के साथ उड़ते हुए एक सा गाना गाते हैं ये पंछी!

पक्षियो में येलो फिंच कुछ अलग तरह के होते हैं. आकार में छोटे और अपने खास पीले रंग के लिए पहचाने जाने वाले ये पक्षी जोड़े में मिल कर एक सा ही गाना गाने के लिए मशहूर हैं. इनमें नर और मादा के रंगों में भी थोड़ा से अंतर है.

पक्षियों का संसार अपने आप में बहुत ही अनूठा है और दिल को सुकून पहुंचाने वाला होते है. इनके रंगों की विविधता और संयोजन कहीं और देखने को नहीं मिलती है. इनमें से ही एक अनूठा पंछी येलो फिंच है. अपने चमकीले पीले पंखों और खुशनुमा गीतों के लिए मशहूर पक्षी किसी भी नजारे की सुंदरता बढ़ा देते हैं. येलो फिंच को गोल्डफिंच के नाम से भी जाना जाता है. दुनिया में इनकी सिर्फ तीन प्रजातियां हैं. एक हैं यूरोपीय गोल्फिंच, इसके अलावा अटलांटिक के पार दो प्रजातियां हैं. एक व्यापक रूप से पाया जाने वाला अमेरिकी गोल्डफिंच और दूसरा दक्षिण-पश्चिम अमेरिका में पाया जाने वाला लॉरेंस गोल्डफिंच. अमूमन गोल्फिंच या येलो फिंच की बात हो तो अमेरिकी गोल्फिंच की ही बात होती है.

पीले रंग के फिंच के उनके चमकीले पीले रंग के पंख उन्हें पहचानना आसान बनाते हैं और पक्षी देखने वालों के बीच पसंदीदा हैं. लेकिन नर और मादाओं के रंगों में कुछ फर्क होता है. प्रजनन के मौसम के दौरान नर पीले रंग के फिंच का रंग चमकीला पीला होता है, मादा पीले रंग के फिंच का रंग हल्का होता है, आमतौर पर जैतून या भूरे रंग का होता है. पीले रंग के फिंच अपने हंसमुख, मधुर गीतों के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें अक्सर वसंत और गर्मियों के दौरान सुना जाता है. वे अपने साथी को कई तरह से बुलाते हैं और गाना गाते है, जो उनके बीच मजबूत संचार का जरिया होता है. यहां तक कि एक जोड़ा एक ही तरह का गाना गाते हुए उड़ता देखा जाता है.

पीले रंग के फिंच का एक खास तरह आहार होता है. वे आमतौर पर शाकाहारी होते हैं और मुख्य रूप से बीज खाते हैं, उनमें भी वे खासकर सिंहपर्णी, सूरजमुखी और थीस्ल जैसे पौधों के बीज खाते हैं. उनके पास भोजन करने का एक अनूठा तरीका है, वे अक्सर बीज तक पहुंचने के लिए उल्टा लटकते हैं.

पीले फिंच के लिए घोंसला बहुत खास होता है. मादाएं आमतौर पर पौधे के रेशों और मकड़ी के जाले का उपयोग करके एक झाड़ी या पेड़ में घोंसला बनाने के लिए जिम्मेदार होती हैं. नर गोल्डफिंच हमेशा घोंसले में रहने वाले बच्चों को पालने में भूमिका निभाता है. नर गोल्डफिंच घोंसले में भोजन लाता है जहां मां बच्चों को खिलाती है, फिर बाद में वे दोनों घोंसले में रहने वाले बच्चों को खिलाते हैं.

पीले फिंच सामाजिक तौर पर भी बहुत सक्रिय रहते हैं. उन्हें अक्सर प्रजनन के मौसम के बाहर झुंड में देखा जाता है. पीले रंग के पंख अपने कलाबाज उड़ान पैटर्न के लिए जाने जाते हैं, जिसमें लहराती उड़ान और तेज़ पंख फड़फड़ाना शामिल है. सर्दियों के दौरान, वे बड़े झुंड बनाते हैं जिसमें सैकड़ों फिंच शामिल हो सकते हैं, जो संख्या में सुरक्षा प्रदान करते हैं.

धरती का इकलौता देश, जहां 1 साल में होते हैं 13 महीने, पूरी दुनिया से 7 साल पीछे!

पूरी दुनिया में 1 साल में 12 महीने होते हैं, लेकिन इस धरती पर एक ऐसा देश भी है, जहां साल में 12 नहीं, बल्कि 13 महीने होते हैं. इस वजह से ये समय के मामले में पूरी दुनिया से 7 साल पीछे चल रही है.

दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग मान्यताएं हैं, परंपराएं हैं, जाति और धर्म हैं. लेकिन इन तमाम जगहों पर अगर कोई एक बात सामान्य है, तो वो है साल और महीने. लेकिन दुनिया में कई ऐसी भी संस्कृतियां मौजूद हैं जो साल और तारीख जानने के लिए अलग-अलग तरह के कैलेंडरों का प्रयोग करती हैं. ये सारे कैलेंडर पश्चिमी ग्रेगोरियन कैलेंडर जैसे नहीं है. पर वो सभी साल में 12 महीने ही मानते हैं. लेकिन इस धरती पर एक देश ऐसा है, जहां पर साल में 12 नहीं, बल्कि कुल 13 महीने होते हैं. आपको जानकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन ये सच है. इतना ही नहीं, 13 महीनों की वजह से ये देश पूरी दुनिया से 7 साल पीछे चल रहा है. इस अफ्रीकी देश का नाम इथियोपिया है. इथियोपिया में 1 साल में कुल 13 महीने होते हैं, जिसमें 13वें महीने में कुल 5 दिन होते हैं, जबकि सप्ताह में कुल 5 दिन. लेकिन जिस साल लीप ईयर होता है, उस साल इथियोपिया के कैलेंडर में 6 दिन होते हैं.आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि 2024 का नया साल पूरी दुनिया मना चुकी है, लेकिन इथियोपिया में इसे 11 सितंबर 2024 को मनाया जाएगा. बता दें कि दुनिया के ज्यादातर देशों में पश्चिमी ग्रेगोरियन कैलेंडर को ही मान्यता दी गई है. लेकिन कुछ ऐसे देश हैं, जो अपने प्राचीन कैलेंडर को मानते हैं. हालांकि, इसके बावजूद सभी कैलेंडरों में 12 महीने ही होते हैं, लेकिन इथियोपिया में आज भी उसी कैलेंडर को फॉलो किया जाता है जो रोमन चर्च ने 525 एडी में अमेंड किया था. इस वजह से इथियोपिया में नई सदी की शुरुआत 11 सितंबर 2007 से हुई थी. इथियोपिया इकलौता ऐसा अफ्रीकी देश है, जो कभी ब्रिटेन का गुलाम नहीं हुआ. इस पर कभी इटली का कब्जा हुआ करता था, लेकिन 6 साल बाद ही वो भी चले गए. इतना ही नहीं, उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इथियोपिया में ही कॉफी की उत्पत्ति हुई थी.

जनवरी-फरवरी नहीं, ये हैं महीनों का नाम!

ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक, महीनों के नाम जनवरी, फरवरी, मार्च आदि हैं, लेकिन इथोपियन यानी गीज कैलेंडर के महीनों के नाम भी अलग-अलग हैं. पहला महीना मेस्केरम है, जो नए साल का महीना है. इस महीने की शुरुआत 11 सितंबर से होती है. इसके बाद दूसरा महीना है टिकिम्त, फिर हिदार, तहसास, तिर, याकातित, मग्गाबित, मियाजिया, गिनबोत, सेंसे, हामले, नेहासा और पागुमे हैं.

रुपये में उतार-चढ़ाव रोकने के लिए आरबीआई ने अगस्त में बेचे 7.7 अरब डॉलर, बुलेटिन में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को रोकने और अमेरिकी मुद्रा मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को थामने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर की बिकवाली की। आरबीआई के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब डॉलर रही। यह पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।
आंकड़ों से यह भी पता चला कि रिजर्व बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। रिजर्व बैंक का घोषित रुख यह है कि वह रुपया-डॉलर विनिमय दर के लिए किसी स्तर या बैंड को लक्ष्य नहीं करता है, बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता होती है। अगस्त में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई। सितंबर में भी बढ़ते व्यापार तनाव, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के कम होने के बीच डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट आई।

बड़े प्रोजेक्ट पर डिफेंस की दिग्गज कंपनी का जोर, शेयर पर निवेशकों की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को लेकर अपना फोकस और बढ़ा दिया है। सरकारी स्वामित्व वाली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभा रही है। भारत के सबसे बड़े जहाज निर्माताओं में से एक कोचीन शिपयार्ड ने देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत की सफल डिलीवरी के बाद कई नई रक्षा परियोजनाओं पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। बता दें कि कोचीन शिपयार्ड के शेयर फिलहाल 1812 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के प्रोजेक्ट्स को देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले समय में इस शेयर पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।
16,000 करोड़ रुपये की रक्षा परियोजना पर चल रहा काम : कंपनी फिलहाल करीब 16,000 करोड़ रुपये की रक्षा परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिनमें आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) और छह अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत (एनजीएमवी) शामिल हैं। मनीकंट्रोल को दिए एक विशेष साक्षात्कार में, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मधु एस नायर ने कंपनी द्वारा वर्तमान में निर्मित की जा रही 16,000 करोड़ रुपये की रक्षा परियोजनाओं की प्रगति के बारे में बात की, जिनमें आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) कोरवेट और छह अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत शामिल हैं। नायर ने कहा कि एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी पोत अग्रिम चरण में हैं।
पहला पोत अगले सप्ताह तक नौसेना को मिलेगा : पहला पोत अगले सप्ताह तक नौसेना को मिल जाना चाहिए। दरअसल, हमने आज एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी श्रेणी के छठे पोत (मैगडाला) का जलावतरण किया है।

20 साल में सोना 7638 से बढ़कर 1.32 लाख तक पहुंचा

केवल 4 बार ही गिरे दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दो दशकों में सोने ने निवेश का सबसे भरोसेमंद जरिया साबित किया है। 2005 में जहां सोना 7,638 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 17 अक्तूबर 2025 को यह 1,27,008 रुपये तक पहुंच गया, यानी लगभग 16 गुना उछाल। केडिया एडवाइजरी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इसी अवधि में चांदी में भी भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद 1,184 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई। 2005 में 13,272 प्रति किलो से बढ़कर अब यह 1,70,415 तक पहुंच गई है।

दूसरी ओर, सेंसेक्स ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। 2005 के 9,398 अंकों से बढ़कर 2025 में 85,978 के स्तर पर पहुंच गया, यानी करीब 814 प्रतिशत की छलांग। हालांकि, लंबी अवधि में सोने ने दोनों को पीछे छोड़ दिया। 17 अक्टूबर 2025 को सोना अपने अब तक के ऑल टाइम हाई लेवल 1,32,294 रुपये के करीब पहुंच गया।

विश्लेषकों के मुताबिक, वैश्विक अनिश्चितता, महंगाई और डॉलर में उतार-चढ़ाव से जहां सोने में तेजी बनी रही, वहीं घरेलू शेयर बाजार लॉन्ग टर्म में मजबूत रिटर्न देने में सफल रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले महीनों में यदि ब्याज दरों में कटौती का संकेत मिलता है तो सोने और सेंसेक्स दोनों में नई तेजी देखी जा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आर्थिक अनिश्चितता के दौर में सोना एक सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है।

सोना, चांदी और सेंसेक्स का साल-दर-साल प्रदर्शन (2005-2025)

2005 में सोना 7,638 और चांदी 13,272 जबकि सेंसेक्स 9,398 पर था।

2006 में सोना 9,265 पर पहुंच गया। कुल बढ़त 21.30 प्रतिशत की हुई। इस साल चांदी 19,424 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई और 46.35 प्रतिशत उछली। जबकि, सेंसेक्स 46.69 प्रतिशत उछलकर 13,786 पर पहुंच गया।

2007 में सोना 10,598 पर था और इस साल केवल 14.39 प्रतिशत ही चढ़ा। वहीं, चांदी 19,463 पर पहुंची, जिसमें बढ़त केवल 0.20 प्रतिशत की रही। सेंसेक्स इस साल 47.15 प्रतिशत उछलकर 20,286 पर पहुंच गया।

2008 में सोना 13,630 पर था और इस साल 28.61 प्रतिशत उछला। वहीं, चांदी 18,355 पर पहुंची और इस साल इसमें 5.69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जबकि, सेंसेक्स बुरी तरह 52.44 प्रतिशत लुढ़ककर 9,648 पर आ गया।

2009 में सोना 16,686 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा और इसमें 22.42 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई। जबकि, चांदी एक बार फिर तेजी की राह पकड़ कर 26,771 पर पहुंची और इसमें 45.85 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। दूसरी तरफ सेंसेक्स ने बाउंस बैक किया और 17,465 पर पहुंच गया। इस दौरान 81.02 प्रतिशत की बंपर उछाल दर्ज की गई।

2010 में सोना 20,728 पर पहुंच गया और इसमें 24.22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। चांदी बंपर तेजी के साथ 46,217 पर पहुंचने के लिए 72.64 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स इस साल 20,510 पर पहुंचा और 17.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज किया।

2011 में 27,329 पर सोना पहुंच गया और 31.85 प्रतिशत की उछाल दर्ज किया। जबकि, चांदी 51,029 पर पहुंचा और 10.41 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। जबकि, सेंसेक्स 24.65 प्रतिशत की गिरावट दर्ज कर 15,455 पर आ गया।

2012 में सोने के भाव 30,859 पर पहुंच गए और 12.92 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। चांदी के रेट 57,864 पर थे और 13.39 प्रतिशत की तेजी दर्ज की। जबकि, सेंसेक्स 19,426 पर पहुंच गया और 25.69 प्रतिशत की उछाल दर्ज की।

2013 में सोने का भाव 28,422 पर आ गया। इस दौरान इसमें 7.90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। चांदी में 24.25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 43,833 रुपये प्रति किलो पर आ गई। सेंसेक्स में इस साल 8.98 प्रतिशत की तेजी रही और यह 21,170 पर पहुंच गया।

2014 में सोने का भाव 26,703 पर था और यह 6.05 प्रतिशत टूटा था। चांदी 17.89 प्रतिशत टूटकर 35,990 पर आ गई। सेंसेक्स 27,500 पर पहुंच गया और इसने 29.90 प्रतिशत की उड़ान भरी।

2015 में 10 ग्राम सोना 6.64 प्रतिशत सस्ता होकर 24,931 पर और चांदी 7.48 प्रतिशत टूटकर 33,299 पर आ गई। सेंसेक्स भी इस साल 5.03 प्रतिशत टूटकर 26,117 पर आ गया।

2016 में सोना 27,445 पर पहुंच गया और इसमें 10.08 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। चांदी 39,049 पर पहुंची और इसमें 17.27 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सेंसेक्स भी 26,626 पर था और इसमें 1.95 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

2017 में सोने का रेट 29,156 पर था और 6.23 प्रतिशत ही चढ़ा। चांदी की चमक भी मामूली रही और 39,237 पर पहुंची। इसमें बढ़त रही मात्र 0.48 प्रतिशत की। लेकिन, इस साल सेंसेक्स 34,057 पर पहुंच गया और कुल उछाल 27.91 प्रतिशत की रही।

2018 में सोना 31,391 पर पहुंचा और 7.67 प्रतिशत उछला। चांदी 38,821 पर आ गई। इसमें 1.06 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 36,068 पर पहुंचा और इसमें बढ़त 5.91 प्रतिशत की रही।

2019 में सोना 39,108 पर पहुंचा और 24.58 प्रतिशत उछला। चांदी 46,711 पर पहुंच गई और तेजी रही 20.32 प्रतिशत की। सेंसेक्स भी 41,254 के लेवल पर पहुंचा और 14.38 प्रतिशत की उछाल दर्ज की।

2020 में सोना 50,151पर पहुंच गया। इसने 28.24 प्रतिशत की उड़ान भरी। जबकि, चांदी रेस में काफी आगे निकल गई और 68,105 पर पहुंच गई। इसने 45.80 प्रतिशत की बंपर उछाल दर्ज की। सेंसेक्स भी 47,751 पर पहुंचा और 15.75 प्रतिशत की तेजी दर्ज की।

2021 में सोने का मूल्य 48,099 पर आ गया। इसमें 4.09 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। चांदी भी 62,660 पर आ गई और 8.00 प्रतिशत टूटी। सेंसेक्स 58,254 पर पहुंच गया और 21.99 प्रतिशत की उड़ान भरी।

2022 में सोना 55,017 पर था और 14.38 प्रतिशत की तेजी दर्ज किया। चांदी भी 69,413 पर पहुंच गई और 10.78 प्रतिशत की बढ़त हासिल किया। सेंसेक्स 60,841 पर पहुंचा और 4.44 प्रतिशत की तेजी दर्ज किया।

2023 में सोना 63,203 पर पहुंचा और 14.88 प्रतिशत की बढ़त हासिल किया। चांदी 74,430 रुपये पर थी और 7.23 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। सेंसेक्स 72,240 पर था और इसमें 18.74 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

2024 में सोना 76,748 पर पहुंच गया। इसमें 21.43 प्रतिशत का उछाल आया। चांदी 87,233 पर थी और 17.20 प्रतिशत की तेजी दर्ज की। सेंसेक्स 78,139 पर पहुंचा और 8.17 प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

17 अक्टूबर 2025 सोना 1,27,008 पर था और 65.49 प्रतिशत की तेजी हासिल कर चुका था। चांदी सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर 1,56,604 पर थी और 79.52 प्रतिशत की उड़ान दर्ज की। सेंसेक्स भी 83,952 पर था और 7.44 प्रतिशत की तेजी दर्ज की।

बेदह ही खराब रहा टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड का परफॉर्मेंस

33 प्रतिशत तक गिर गया है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड पिछले एक साल में निफ्टी 50 इंडेक्स का सबसे कमजोर परफॉर्मेंस देने वाला शेयर बन गई है। पिछले मुहूर्त ट्रेडिंग (दिवाली 2024) से अब तक कंपनी के शेयरों में करीब 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बावजूद, अधिकांश ब्रोकरेज हाउस कंपनी के दीर्घकालिक फंडामेंटल्स को मजबूत मानते हुए 'क्व्ह4' की रेटिंग बनाए हुए हैं। कंपनी के शेयर का वर्तमान प्राइस 4,801 रुपये है।

शेयर प्रदर्शन और मौजूदा स्थिति: सोमवार को ट्रेंट का शेयर 4,608.05 पर कारोबार कर रहा था, जो दिनभर में 3.41 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। पिछले एक वर्ष में कंपनी का बाजार पूंजीकरण एक-तिहाई तक घट गया है, जबकि निफ्टी के अन्य खुदरा शेयरों ने तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सितंबर तिमाही के नतीजे और वृद्धि दर में मंदी: सितंबर 2025 तिमाही में ट्रेंट लिमिटेड की स्टैंडअलोन राजस्व वृद्धि 17 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष रही। हालांकि यह वृद्धि दर घटती प्रवृत्ति को दर्शाती है। पिछली पांच तिमाहियों में कंपनी की बिक्री वृद्धि क्रमशः 57 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 37 प्रतिशत, 29 प्रतिशत और 20 प्रतिशत रही थी। ब्रोकरेज मोतिलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा कि राजस्व वृद्धि में यह गिरावट 'सेम-स्टोर सेल्स ग्रोथ ' की मंदी, कैनिबलाइजेशन (स्व-प्रतिस्पर्धा) और उच्च बेस इफेक्ट के कारण है।

स्टोर विस्तार में तेजी: स्ह्ब्स्रस्रु की रिपोर्ट के अनुसार, जून तिमाही में सुस्त विस्तार के बाद सितंबर तिमाही में स्टोर विस्तार में तेजी आई है। कंपनी का कुल स्टोर काउंट 33 प्रतिशत बढ़कर 1,101 हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आमतौर पर दूसरी छमाही (एच2) में स्टोर विस्तार की रफ्तार तेज रहती है, इसलिए निवेशकों की नजर अब ट्रेंट के फैशन स्टोर नेटवर्क के और विस्तार पर होगी। कंपनी का मुख्य विकास चालक अभी भी स्टोर विस्तार ही बना हुआ है।

ब्रोकरेज हाउस के अनुमान और राय: नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का अनुमान है कि सितंबर तिमाही में ट्रेंट का शुद्ध लाभ 451.60 करोड़ रहेगा, जो 7 प्रतिशत साल दर साल वृद्धि दर्शाता है। इसका ई बी आई टी डी ए मार्जिन 16.5 प्रतिशत है और ग्रॉस मार्जिन त्त्2 स्नङ्ग26 में घटकर 43.4 प्रतिशत रहने की संभावना, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही (44.2 प्रतिशत) से थोड़ा कम है। यह गिरावट 'ह्वस्रद्व' ब्रांड की हिस्सेदारी बढ़ने से मिक्स में बदलाव के कारण मानी जा रही है।

आरबीएल बैंक में बिक गई बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल मार्केट्स ने 20 अक्टूबर को खुले बाजार लेनदेन के जरिए 377 करोड़ रुपये में प्राइवेट सेक्टर के लेंडर आरबीएल बैंक में 1.9 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। एमिरेट्स एनबीडी बैंक को 26,850 करोड़ रुपये तक के निवेश के साथ बैंक में 60 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद, आरबीएल बैंक के शेयरों में सोमवार को 9 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई और यह 326.65 रुपये पर बंद हुआ था। ईएनबीडी आम शेयरधारकों से 26 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक अनिवार्य खुली पेशकश भी लाएगा।

क्या है डिटेल: बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल मार्केट्स ने बैंक में 317.85 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 377.35 करोड़ रुपये में 1.18 करोड़ इक्विटी शेयर (1.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर) खरीदे हैं। ब्लिस जीवीएस फार्मा भी सोमवार को सक्रिय रहा, जो पिछले सप्ताह हुए समेकन के बाद 2.2 प्रतिशत बढ़कर 155.43 रुपये पर पहुंच गया। मैटियस ने एरियन इन्वेस्टमेंट से 39.15 करोड़ रुपये में 150.6 रुपये प्रति शेयर के भाव पर इस फार्मा कंपनी के 26 लाख शेयर खरीदे हैं। सितंबर 2025 तक, एरियन इन्वेस्टमेंट के पास ब्लिस में 7.43 प्रतिशत हिस्सेदारी (78.53 लाख शेयर) थी।

इस बीच, इन्फिनिटी एसेट एडवाइजर्स ने डीसीबी बैंक के 16.54 लाख शेयर (0.52 प्रतिशत हिस्सेदारी) 145.18 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 24.01 करोड़ रुपये में बेचे। हालाँकि, मजबूत गैप-अप ओपनिंग के बाद औसत से अधिक कारोबार के बीच डीसीबी बैंक के शेयर 12.21 प्रतिशत बढ़कर 144.78 रुपये पर पहुंच गए। साउथ इंडियन बैंक में भी सक्रियता देखी गई, जिसके शेयरों में ब्रेकआउट हुआ और लंबी तेजी वाली कैंडल फॉर्मेशन के साथ 15.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37.73 रुपये पर पहुंच गए। आदित्य कुमार हलवासिया ने 2.01 करोड़ शेयर (0.76 प्रतिशत हिस्सेदारी 35.24 रुपये प्रति शेयर के भाव पर) 70.83 करोड़ रुपये में खरीदे। इंडिया मैक्स इन्वेस्टमेंट फंड द्वारा 1.44 लाख शेयर (0.75 प्रतिशत हिस्सेदारी) 134.08 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.93 करोड़ रुपये में बेचे जाने के बाद एलटी एलिवेटर के शेयर 4.21 प्रतिशत गिरकर 133.15 रुपये पर आ गए। सितंबर 2025 तक, इंडिया मैक्स इन्वेस्टमेंट फंड के पास एलटी एलिवेटर के 2.88 लाख शेयर (1.5 प्रतिशत हिस्सेदारी) थे।

कर्मचारी अरविंद की मौत विवाद पर ओला ने दी सफाई, कहा- कंपनी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के कर्मचारी अरविंद की मौत मामले में कर्नाटक पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। गत छह अक्तूबर को अरविंद की मौत के मामले में पुलिस ने ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल, वरिष्ठ अधिकारी सुब्रत कुमार दास और कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में अब ओला इलेक्ट्रिक ने सफाई पेश करते हुए जांच में सहयोग करने और कर्मचारियों की सुरक्षा, उनके सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध होने का दावा किया है।

कंपनी के प्रवक्ता ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, ... दुख है। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। अरविंद साढ़े तीन साल से ओला इलेक्ट्रिक से जुड़े थे और बैंगलोर स्थित हमारे मुख्यालय में कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान, अरविंद ने अपनी नौकरी या किसी भी उत्पीड़न के बारे में कभी कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई।

क्या कर्नाटक हाईकोर्ट ने कंपनी को दी राहत?: ओला इलेक्ट्रिक ने अरविंद की मौत के बाद उपजे विवाद को लेकर कहा, अरविंद जिस भूमिका का निर्वाह कर रहे थे, उसमें प्रमोटर सहित कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के साथ उनका कोई सीधा संपर्क नहीं होता था। कंपनी ने कहा, एफआईआर ... समक्ष चुनौती दी है।

सफाई में बोली ओला इलेक्ट्रिक- कंपनी सभी कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

कंपनी का कहना है कि हाईकोर्ट ने ओला इलेक्ट्रिक तथा उसके अधिकारियों के पक्ष में सुरक्षात्मक आदेश पारित किया है। अरविंद के परिवार की तरफ से लगाए गए आरोपों और कंपनी की तरफ से दी जाने वाली मदद के पहलू पर ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, परिवार की तत्काल मदद के लिए, कंपनी ने तुरंत उनके बैंक खाते में पूरी राशि का भुगतान किया। ओला इलेक्ट्रिक जांच अधिकारियों का पूरा सहयोग कर रही है। कंपनी अपने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित, सम्मानजनक और सौहार्दपूर्ण कार्यस्थल मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्या है पूरा मामला, मौत के दो दिन बाद खाते में जमा हुए 17 लाख+ रुपये: दरअसल, ओला इलेक्ट्रिक के कर्मचारी के. अरविंद, होमोलोगेशन इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। जांच अधिकारियों के मुताबिक उन्होंने कथित तौर पर 28 सितंबर, 2025 को उन्होंने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। मौत के दो दिन बाद कंपनी ने अरविंद के बैंक खाते में 17.46 लाख रुपये ट्रांसफर किए।

28 पेज के सुसाइड नोट में गंभीर आरोप: अरविंद के कमरे की तलाशी के दौरान, पुलिस ने 28 पन्नों का सुसाइड नोट भी बरामद किया। अरविंद ने कथित तौर पर कंपनी के सीईओ भाविश अग्रवाल और एक अन्य अधिकारी सुब्रत कुमार दास पर मानसिक उत्पीड़न, अत्यधिक काम का बोझ और वेतन के साथ-साथ बकाया राशि का भुगतान न करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे ...

टाटा ट्रस्ट में विवाद के बीच वेणु श्रीनिवासन को अहम जिम्मेदारी, अब मिस्त्री पर नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से वेणु श्रीनिवासन को आजीवन ट्रस्टी (न्यासी) के रूप में फिर से नियुक्त किया है। संगठन के भीतर कथित आंतरिक मतभेदों के बीच अब सभी की निगाहें मेहली मिस्त्री की वापसी के संबंध में होने वाले फैसले पर टिकी हैं। बता दें कि श्रीनिवासन का कार्यकाल 23 अक्टूबर को खत्म होने वाला था, जिससे पहले इस सप्ताह उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी गई। यह फैसला टाटा ट्रस्ट के भीतर विभाजन की खबरों के बीच हुआ, जहां एक गुट नोएल टाटा के साथ जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। नोएल ने रतन टाटा के निधन के बाद चेयरमैन का पद संभाला था। दूसरा गुट पूर्व दिग्गज के वफादारों का है।
खत्म होने वाला है मिस्त्री का कार्यकाल : मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि टीवीएस समूह के मानद चेयरमैन श्रीनिवासन की फिर से नियुक्ति सर्वसम्मति से हुई है। टाटा ट्रस्ट ने इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अब ध्यान मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति पर है, जिनका कार्यकाल 28 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। इस बात पर राय बंटी हुई है कि क्या उनका कार्यकाल अपने आप आगे बढ़ जाएगा या आजीवन कार्यकाल के लिए न्यासियों की सर्वसम्मति से मंजूरी लेनी होगी। बता दें कि टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो 156 साल पुराने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। इसमें 30 सूचीबद्ध इकाइयों सहित लगभग 400 कंपनियां शामिल हैं।
17 अक्टूबर को हुई बैठक का हवाला : सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के न्यासियों की 17 अक्टूबर, 2024 को हुई संयुक्त बैठक का हवाला देते हुए, उस व्यक्ति ने कहा कि यह संकल्प लिया गया था कि किसी भी ट्रस्टी का कार्यकाल खत्म होने पर, संबंधित ट्रस्ट द्वारा उसे बिना किसी कार्यकाल अवधि की सीमा के पुनर्नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा 17 अक्टूबर, 2024 के प्रस्ताव के अनुसार, सभी न्यासियों की नियुक्ति दीर्घकालिक और आजीवन आधार पर की जाएगी और 75 वर्ष की आयु होने पर ट्रस्टीशिप पर पुनर्विचार किया जाएगा।

22 अक्टूबर का ऐतिहासिक दिन, जब भारत ने लगातार तीसरी बार जीता कबड्डी वर्ल्ड कप खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल जगत के लिए 22 अक्टूबर का दिन बेहद खास है। इसी दिन भारत ने ईरान को शिकस्त देकर कबड्डी वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। अहमदाबाद में खेले गए इस खिताबी मुकाबले में भारत ने ईरान को 38-29 से शिकस्त देकर लगातार तीसरी बार खिताब जीता ।शनिवार के इस दिन फैंस को मेजबान भारत से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उसके सामने ईरान की कड़ी चुनौती थी, लेकिन जीत के हीरो अजय ठाकुर ने लगातार सफल रेड डालते हुए कुल 12 अंक हासिल

किए। भारत की शुरुआत निराशाजनक रही थी। भारत की पहली रेड में अनूप कुमार खाली हाथ लौटे। इसके बाद अजय ठाकुर ने ही भारत का खाता खोलते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरी ओर, मिराज ने ईरान का खाता खोला और बोनस अंक के साथ ईरान ने मुकाबले में 2-2 से बराबरी कर ली।

मिराज दो अंक लेकर ईरान को 9-7 से आगे कर चुके थे, लेकिन भारत ने सुपर टैकल करते हुए स्कोर 10-9 कर लिया। हालांकि, ईरान ने हाफ टाइम तक भारत पर 18-13 की बढ़त हासिल कर ली थी। यहां से ईरान भारत को विश्व कप फाइनल में पहली बार मात देने का सपना देखने लगा था। ऐसे में दूसरे हाफ में भारत को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। अजय ठाकुर ने लगातार सफल रेड डालते हुए भारत को मुकाबले में 20-20 की बराबरी पर ला दिया। इस बराबरी के बाद भारत ने ईरान को ऑल आउट करते हुए 24-21 से बढ़त बना ली। यहां से भारत ने मुकाबले में पीछे मुड़कर नहीं देखा और आखिरकार 38-29 से जीत दर्ज कर ली। यह कबड्डी विश्व कप के फाइनल में भारत की लगातार तीसरी जीत थी। इससे पहले साल 2004 और 2007 में भारत इस खिताब को अपने नाम कर चुका था। रोचक बात यह है कि तीनों बार भारत ने खिताबी मुकाबले में ईरान को ही शिकस्त दी।

साल 2004 में भारत और ईरान अपने-अपने ग्रुप में टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंचे, जहां भारत ने बांग्लादेश को, जबकि ईरान ने कनाडा को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मैच में भारत ने ईरान को 55-27 से हराया। साल 2007 में भारत ने ईरान को 29-19 से शिकस्त देकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस विश्व कप में किर्गिस्तान और पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया। इस बीच बांग्लादेश और जापान संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन, पहले दौर में बाहर हुए चार खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह हार गए।

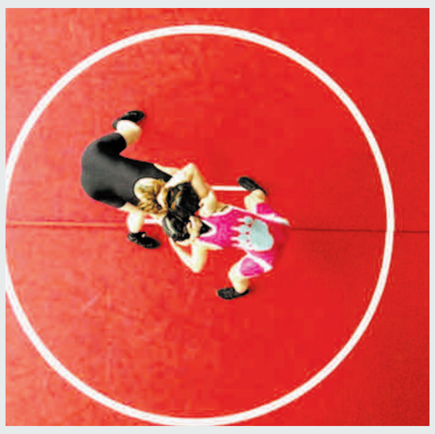

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। पहले दिन भारतीय पहलवान एक भी मुकाबला नहीं जीत सके और सभी चार खिलाड़ियों को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह हार गए। गौरव का मुकाबला किर्गिस्तान के कुदूबेक ए अब्दुराजाकोव से था और वह तकनीकी श्रेष्ठता के कारण हार गए। अंकित को सर्बिया के जालान पेक के खिलाफ इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। रोहित को क्वालिफिकेशन राउंड में अमेरिका के पेटन जे जैकबसन से जबकि जोगिंदर को उज्बेकिस्तान के दामिरखोन रख्मातोव से हार का सामना करना पड़ा।

पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार

इस टीम के खिलाफ करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत अब एक बार फिर मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। लम्बे इंतज़ार के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आधिकारिक वापसी 30 अक्टूबर को होगी। पंत भारत ए टीम की कप्तानी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच में उतरेंगे। यह मुकाबला बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

● **चोट से उबरने के बाद नई शुरुआत-** जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान पंत को पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद से वह मैदान से दूर थे। लगभग तीन महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अब उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की अनुमति दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर की शुरुआत में पंत अपने रिकवरी के आखिरी चरण में थे और अब वे पूरी तरह से फिट माने जा रहे हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत- चोट के बाद पंत ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में लंबा समय बिताया। वहां उन्होंने फिजियो और ट्रेनर्स की निगरानी में लगातार वजन प्रशिक्षण, बैलेंस और मूवमेंट एक्सरसाइज़ पर काम किया। पंत का पैर अब पूरी तरह से मजबूत हो चुका है और उन्होंने बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों अभ्यास शुरू कर दिए हैं।

● **रणजी वापसी की योजना में बदलाव-** पहले ऐसा माना जा रहा था कि ऋषभ पंत 25 अक्टूबर से दिल्ली की ओर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में खेलकर वापसी करेंगे। हालांकि अब यह योजना बदल गई है, क्योंकि भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच पहला चार

दिवसीय मैच रणजी मुकाबले के खत्म होने के सिर्फ दो दिन बाद शुरू होगा। ऐसे में क्ष्ष्ष्ठ ने तय किया कि पंत की वापसी सीधे भारत ए टीम के साथ होनी चाहिए ताकि वह बड़े मंच पर अपनी लय पा सकें।

● **कप्तान के रूप में नई चुनौती-** बीसीसीआई ने न केवल ऋषभ पंत को टीम में शामिल किया है, बल्कि उन्हें कप्तानी की ज़िम्मेदारी भी दी है। इससे साफ है कि बोर्ड उनके अनुभव और नेतृत्व पर भरोसा कर रहा है। टीम में उनके उप-कप्तान होंगे साई सुदर्शन, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत ए टीम

पहला मैच के लिए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरा मैच के लिए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल,
रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान

केशव महाराज के नाम सात विकेट, मेजबान 333 रन पर ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टीम रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में महज 333 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम को 35 के स्कोर पर इमाम-उल-हक (17) के रूप में झटका लगा।

इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने कप्तान मसूद के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को संभाला। शफीक 146 गेंदों में चार चौकों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बाबर आजम (16) भी चलते बने। पाकिस्तानी टीम का जब तीसरा विकेट गिरा, उस समय तक स्कोर 167 रन था। यहां से कप्तान मसूद ने सऊद शकील के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जुटाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। मसूद 176 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हुए। 246 के स्कोर तक पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (19) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से सलमान आगा ने सऊद शकील के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन जुटाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आगा 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शकील ने 66 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की इस पारी में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 42.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, साइमन हार्मर ने 2 सफलताएं हासिल कीं। शेष 1 विकेट तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने अपने नाम किया।

पाकिस्तान ने दो मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच 93 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। ऐसे में मेजबान टीम की कोशिश इस मुकाबले को जीतकर 2-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीकी टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 1-1 से ड्रॉ करवाने की कोशिश करेगी।

ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम को हराया, सीजन का पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीता

लंदन, एजेंसी। ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम पर 2-0 की शानदार जीत के साथ सीजन का अपना पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीत लिया है। इस जीत के साथ ब्रेंटफोर्ड ने नूनो एस्पिरिटो सैंटो के कोच बनने के बाद वेस्ट हैम के पहले घरेलू मैच का मजा किरकिरा कर दिया।अपने पिछले तीनों अवे लीग मैच हारने वाली मेहमान टीम शुरू से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही थी। इगोर थियागो और सब्स्टीट्यूट मैथियास जेनसन के गोलों की बदौलत ब्रेंटफोर्ड ने जीत दर्ज की, जबकि यह हार वेस्ट हैम को अंकतालिका में 19वें स्थान पर और नीचे धकेल गई।

43वें मिनट में ब्रेंटफोर्ड ने बढ़त हासिल कर ली। वेस्ट हैम एक लॉन्ग बॉल को क्लीयर करने में नाकाम रहा। केविन शैड ने गेंद को हल्के से इगोर थियागो की दिशा में बढ़ाया, जिन्होंने लो शॉट लगाकर गोल किया। उनके शॉट में अल्फोंस एरीओला के टच के बावजूद गेंद को लाइन क्रॉस कराने की पर्याप्त शक्ति थी। हाफटाइम से ठीक पहले थियागो ने एक और गोल दागा, जिससे बढ़त दोगुनी होती नजर आई, लेकिन उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। यह फैसला इसलिए दिलचस्प रहा, क्योंकि वैश्विक तकनीकी गड़बड़ी के चलते प्रीमियर लीग को अपने सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड सिस्टम को बंद कर पिछले सीजन के मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ा।

हाफटाइम पर जब टीमें मैदान से बाहर जा रही थीं, तो वेस्ट हैम के खिलाड़ियों को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा। इससे नाराज होकर कोच नूनो एस्पिरिटो सैंटो ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही तीन डिफेंसिव बदलाव किए, ताकि टीम को स्थिर किया जा सके। वेस्ट हैम कभी भी बराबरी का गोल करने की स्थिति में नजर नहीं आया। हैमर्स की निराशा तब और बढ़ गई जब मथियास जेन्सन ने स्टॉपेज टाइम (90+5) में ब्रेंटफोर्ड की जीत पक्की कर दी। ब्रेंटफोर्ड ने मुकाबले में 2-0 से लीड हासिल कर ली।

एक दूसरे के खिलाफ अपनी बादशाहत साबित करने के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

महिला विश्व कप:

इंदौर, एजेंसी। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा। दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल करेगी उसका शीर्ष स्थान पक्का हो जाएगा। इसके अलावा उसे सेमीफाइनल से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल हो जाएगी।

एलिसा हीली की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को अभी तक कुछ अवसरों पर चुनौती का सामना भी करना पड़ा है लेकिन उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। पहले दो मैच में उसके बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन एशले गार्डनर और बेथ मूनी के शानदार प्रदर्शन से वह न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही थी। इसके बाद लगातार दो मैच में शतक लगाने वाली कप्तान हीली और भरोसेमंद फोएबे लिचफील्ड के नेतृत्व में उनके शीर्ष क्रम ने अपनी लय हासिल कर ली है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है और नई गेंद की विशेषज्ञ मेगन शट जैसी गेंदबाज इसका फायदा उठाने के लिए उत्सुक होंगी। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल है, क्योंकि इस वर्ष के शुरू में उसने घरेलू मैदान पर उन्हें सभी प्रारूपों में परास्त किया था। लेकिन इंग्लैंड यहां की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से जानता है क्योंकि कुछ दिन पहले उसने यहां भारत को पराजित किया था।

इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दबाव में भी अपना धैर्य बनाए रखा, जिसमें लिंसे स्मिथ ने कमाल दिखाया। उन्होंने अंतिम ओवर में 13 रन बचाने से पहले स्मृति मंधाना का महत्वपूर्ण विकेट लिया। इसके अलावा उसके पास बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन और ऑफ स्पिनर चार्ली डीन जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं जो लगातार इंग्लैंड को मुश्किल परिस्थितियों से उबारती रही है। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी हालांकि चिंता का विषय है क्योंकि अभी तक रन की बनाने की मुख्य जिम्मेदारी अनुभवी हीथर नाइट और नैट साइवर-ब्रंट ने उठाई है। इंग्लैंड को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके अन्य बल्लेबाजों को भी योगदान देना होगा।

ग्राहम पॉटर स्वीडन के नए हेड कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट हैम के पूर्व मैनेजर ग्राहम पॉटर को स्वीडन का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। पॉटर को यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से सौंपी गई है, ताकि वह स्वीडन की फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन में कमजोर प्रदर्शन कर रही टीम की उम्मीदों को फिर से जीवित कर सकें।50 वर्षीय पॉटर ने अपनी नई भूमिका को लेकर कहा, स्वीडन के पास शानदार खिलाड़ी हैं, जो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ लीग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। मेरा काम ऐसी परिस्थितियां तैयार करना होगा, जिससे हम एक टीम के रूप में सर्वोच्च स्तर पर प्रदर्शन करें और अगले साल गर्मियों में स्वीडन को विश्व कप तक पहुंचा सकें। जॉन डाहल टॉमसन की बर्खास्तगी के बाद से स्वीडन के पास हेड कोच नहीं था। टॉमसन को 13 अक्टूबर को कोसोवो से 1-0 की हार के बाद बर्खास्त कर दिया गया था। इस परिणाम ने ग्रुप बी से टीम की स्वतः क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को खत्म कर दिया है। हालांकि, अभी सब कुछ खत्म नहीं

हुआ है। 2024-25 यूईएफए नेशंस लीग में शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्वीडन के पास शीर्ष दो में जगह न बनाने के बावजूद प्ले-ऑफ में पहुंचने की संभावना है। स्वीडन ने यूईएफए नेशंस लीग में अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। पॉटर वेस्ट हैम में एक मुश्किल कार्यकाल के बाद स्टॉकहोम पहुंचे हैं, जहां उन्हें सितंबर के अंत में बर्खास्त कर दिया गया था। हैमर्स ने 2025-26 प्रीमियर लीग सीजन के छह मैचों में केवल एक ही जीत दर्ज की थी, जिससे टीम रेलीगेशन जोन में थी। जनवरी में क्लब में शामिल होने के बाद, पॉटर ने 23 मुकाबलों में सिर्फ छह जीत हासिल की थी। इसके बावजूद, पॉटर स्वीडिश फुटबॉल में एक सम्मानित शख्सियत बने हुए हैं। उन्होंने ओस्टरसंड को स्वीडन की चौथी श्रेणी से सिर्फ चार सीजन में ऑलस्वेन्स्का तक पहुंचाया और 2017 में स्वेंस्का कपेन जीता। पॉटर के कोचिंग करियर में स्वानसी सिटी और ब्राइटन में सफल कार्यकाल भी शामिल है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं, अल नासर और एएफसी गोवा के बीच होना है मैच

मडगांव, एजेंसी। सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्तूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं है। रोनाल्डो को भारत में खेलते देखने के लिए प्रशंसक काफी बेताब थे, लेकिन माना जा रहा है कि रोनाल्डो भारत नहीं आएंगे। दरअसल, सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्तूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है। सऊदी अरब के खेल समाचार पत्र अल रियादिया के अनुसार एफसी गोवा प्रबंधन के कई बार अनुरोध के बावजूद 40 वर्षीय रोनाल्डो अल नासर की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। एफसी गोवा ने पूर्व एएफसी कप विजेता अल सीब को हराकर चैंपियंस लीग के दूसरे चरण में जगह बनाई थी। इसके बाद उसे टूर्नामेंट के इस चरण के लिए अल नासर के साथ ग्रुप डी में रखा गया है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

शाहिद कपूर को फर्जी सीजन 2 के लिए मिली

अब तक की सबसे तगड़ी फीस?

साल 2023 में शाहिद कपूर ने ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज फर्जी से ओटीटी पर डेब्यू किया था। द फैमिली मैन फेम राज और डीके के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसे फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स में 10 नॉमिनेशन मिले थे। जबकि ऑरमैक्स के मुताबिक, यह उस साल की सबसे अधिक देखी जाने वाली वेब सीरीज थी, जिसे 37 मिलियन दर्शकों ने देखा था। अब खबर है कि मेकर्स ने फर्जी सीजन 2 की तैयारी शुरू कर दी है। कहानी लिखी जा रही है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। लेकिन सबसे बड़ा दावा फर्जी 2 में शाहिद कपूर की फीस को लेकर किया जा रहा है। बताया जाता है कि एक्टर को उनके करियर का अब तक की सबसे अधिक फीस ऑफर की गई है। फर्जी 2 की सुगबुगाहट के साथ ही कई तरह के कयास भी लगने शुरू हो गए हैं। पहले सीजन में शाहिद कपूर के साथ विजय सेतुपति, के के मेनन, राशि खन्ना और भुवन अरोड़ा नजर आए थे। नकली नोट के गोरखधंधे पर बनी इस सीरीज में एक बार फिर से इन कलाकारों की वापसी के संकेत हैं। यही नहीं, पहले सीजन के एक सीन में इसे द फैमिली मैन से भी जोड़ा गया था, ऐसे में उम्मीद जगने लगी है कि क्या दूसरा सीजन इन दोनों सुपरहिट वेब सीरीज को एकसाथ मिलाने वाला है?

फर्जी 2 के लिए हुई है 40 करोड़ की डील

बहरहाल, रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद कपूर के हाथ दिनेश विजान की कॉकटेल 2 के बाद एक और बड़ी डील लगी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाहिद इस शो के लिए 40 करोड़ रुपये की फीस ले रहे हैं। जी हां, यह वाकई चौंकाने वाली रकम है, क्योंकि आम तौर पर वह एक फिल्म के लिए कथित तौर पर वह 25 से 30 करोड़ रुपये की फीस लेते हैं।

जनवरी में शुरू होगी फर्जी 2 की शूटिंग, 2027

की शुरुआत में रिलीज

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, शाहिद कपूर अगले साल जनवरी 2026 से फर्जी सीजन 2 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अभी सीरीज की कहानी लिखी जा रही है। अमेजन प्राइम वीडियो, राज और डीके के साथ मिलकर जनवरी 2026 से दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। शाहिद इसके लिए लगातार 6 महीने बैक टू बैक शूटिंग करेंगे। वह इसके लिए 40 करोड़ की फीस ले रहे हैं। सब ठीक रहा तो साल 2026 के अंत में या फिर 2027 की शुरुआत में फर्जी सीजन 2 रिलीज हो जाएगी।

सामने आई दिल्ली क्राइम 3 की रिलीज डेट, अपने रोल पर क्या बोलीं शेफाली शाह

शेफाली शाह की अदाकारी वाली मशहूर सीरीज दिल्ली क्राइन 3 का टीजर रिलीज हो गया है। इसके साथ यह भी एलान हो गया है कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। इस बार इसमें नया खुलासा होने वाला है। इस सीजन में मेकर्स ने कई नए चेहरों को भी जोड़ा है। तनुज चोपड़ा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 का निर्देशन किया है। इसमें रसिका दुग्गल (नीति सिंह के रूप में), राजेश तैलंग (भूपेंद्र सिंह के रूप में), जया भट्टाचार्य (विमला भारद्वाज के रूप में) और अनुराग अरोड़ा (जयराज सिंह के रूप में) भी हैं। कलाकारों में हुमा कुरेशी, सयानी गुप्ता, मीता वशिष्ठ, केली दोरजी और अंशुमान पुष्कर शामिल हैं। सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

अपने किरदार पर बोलीं शेफाली

सीरीज में डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के रूप में अपनी भूमिका को दोबारा निभाने पर, शेफाली शाह ने कहा मैडम सर के रूप में वापसी करना हमेशा बेहद निजी एहसास होता है। मेरे लिए और आज के समय में, उनकी अहमियत मेरी नजरों में और भी बढ़ गई है। वर्तिका एक ऐसे दुश्मन से लड़ रही हैं जो न सिर्फ सीमाओं के पार है, बल्कि समाज में भी मौजूद है। मानव तस्करी कुछ लोगों का काम नहीं है; यह एक ऐसे समाज का लक्षण है जो नजरअंदाज करता है। लेकिन वर्तिका, अपनी असली पहचान के साथ, लड़ती रहती हैं, भले ही इसका मतलब इस काली दुनिया के चंगुल से सिर्फ एक जान बचाना ही क्यों न हो। टेलीविजन की दुनिया में कई कलाकार आते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से एक खास मुकाम हासिल कर लेते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं कंवर ढिल्लों, जिन्होंने महज 18 साल की उम्र में टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था। आज, एक दशक से भी ज्यादा का अनुभव लेकर वह अपने काम से लाखों दर्शकों के दिलों में जगह बना चुके हैं। इंटरव्यू के दौरान कंवर ने अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की और बताया कि कैसे वक्त के साथ उन्होंने खुद को हर शो से बेहतर बनाया और अपनी पहचान मजबूत की।

मैंने अपने कच्चेपन को मेहनत और अनुभव से पीछे छोड़ दिया

टेलीविजन की दुनिया में कई कलाकार आते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से एक खास मुकाम हासिल कर लेते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं कंवर ढिल्लों, जिन्होंने महज 18 साल की उम्र में टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था। आज, एक दशक से भी ज्यादा का अनुभव लेकर वह अपने काम से लाखों दर्शकों के दिलों में जगह बना चुके हैं। इंटरव्यू के दौरान कंवर ने अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की और बताया कि कैसे वक्त के साथ उन्होंने खुद को हर शो से बेहतर बनाया और अपनी पहचान मजबूत की। कंवर ने कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब मैं बिल्कुल नया था और बहुत कुछ सीखने की कोशिश कर रहा था। मैंने हर सेट, हर किरदार, हर निर्देशक से कुछ न कुछ सीखा है। मैं शुरुआत में सब कुछ देखकर, समझकर ही आगे बढ़ता था। मेरा सबसे बड़ा गुरु मेरा खुद का सफर रहा है। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा चलते-फिरते सीखा है। हर शो ने मुझे कुछ नया सिखाया है। अब जो मैं हूं, वह उस शुरुआती दौर के कंवर से बिल्कुल अलग है। तब मैं बहुत कच्चा था, अनुभव नहीं था, लेकिन आज मैंने उस कच्चेपन को मेहनत और अनुभव से पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि उनके निभाए गए किरदारों ने उन्हें केवल अभिनय में ही नहीं, बल्कि निजी जिंदगी में भी बहुत कुछ सिखाया। पेशेवर तौर पर हर रोल ने उन्हें आत्मविश्वास, पहचान और अवसर दिए। साथ ही, उन्होंने इंसान के तौर पर भी खुद को पहले से ज्यादा समझदार और जमीन से जुड़ा पाया। अपने शो पंड्या स्टोर को याद करते हुए उन्होंने कहा, यह शो उनके करियर में एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इससे मुझे न केवल अलग पहचान मिली, बल्कि यह भरोसा भी जगा कि मैं सही रास्ते पर चल रहा हूं।

रश्मिका मंदाना ने दीपावली पर फैंस को दिया खास तोहफा, फिल्म मायसा का पोस्टर जारी

दीपावली के पावन अवसर पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपने फैंस के लिए एक खास सरप्राइज पेश किया है। सोमवार को रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्म मायसा का पोस्टर शेयर किया।अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में रश्मिका हाथ में बन्दूक लिए दमदार अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसने फैंस के बीच उत्साह जगा दिया है। रश्मिका ने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, दीपावली के मौके पर छोटी-सी झलक...हम जल्द ही मायसा की एक खास झलक आपके साथ साझा करेंगे। और जानकारी जल्द मिलेगी।

इस पोस्टर को देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि मायसा एक महिला योद्धा की हिम्मत और जज्बे की प्रेरक कहानी होगी। यह फिल्म अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले रिलीज होगी। वहीं, रश्मिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस फिल्म में रश्मिका के साथ आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, परेश रावल, राम बजाज गोयल और सत्यराज एल्विस करीम प्रभाकर जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। थामा का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है।

फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यूए सर्टिफिकेट मिल चुका है, जिसके साथ यह रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म के डिस्ट्रीब्यूटर्स में से एक, एशियन सुरेश एंटरटेनमेंट ने अपनी एक्स टाइमलाइन पर एक पोस्टर साझा कर इसकी रिलीज की जानकारी दी। रश्मिका की यह दोनों फिल्में उनके प्रशंसकों के बीच उत्साह का केंद्र बनी हुई हैं। मायसा के पोस्टर ने जहां एक गंभीर और सशक्त किरदार की झलक दी, वहीं थामा हॉरर और हास्य का अनोखा मिश्रण लेकर दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। फैंस अब बेसब्री से मायसा की अगली झलक और थामा को सिनेमा हॉल में देखने का इंतजार कर रहे हैं।

150 करोड़ रुपये के बजट वाले एड फिल्म में काम कर रहे हैं बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह

एक्टर बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह का बीते दिन एक पोस्टर सामने आया था, जिसमें वो तीनों अलग-अलग लुक में दिखाई दे रहे थे। दावा किया जा रहा था कि किसी फिल्म का हिस्सा हैं, जिसमें उनका कोई खतरनाक रोल होगा। मगर इस पर अफवाह अब फुलस्टॉप लगा। क्योंकि ये 150 करोड़ रुपये के बजट वाले एक एड फिल्म में काम कर रहे हैं। और इसका डायरेक्शन कोई और नहीं, बल्कि जवान के डायरेक्टर एटली करेंगे। बताया जा रहा है कि ये एड फिल्म चिंग्स देसी चाइनीज और उसके ने कैम्पेन एजेंट चिंग अटैक्स के लिए है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एड फिल्म की शूटिंग एक फीचर फिल्म की तरह ही की जाएगी, जिसमें एक बड़ा सेट होगा। साथ ही इसके बजट के बारे में भी इस रिपोर्ट में बताया गया है, जो कि बहुत बड़ा अमाउंट है।

रणवीर-बॉबी और श्रीलीला का एड

सोर्स के हवाले से बताया गया, चिंग्स देसी चाइनीज का एड कैम्पेन, जिसमें रणवीर सिंह , बॉबी देओल और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में हैं, उसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। और लगभग 150 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट पर बनाया जा रहा है।

यश चोपड़ा की पुण्यतिथि पर जैकी श्रॉफ ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्मकार यश चोपड़ा की पुण्यतिथि पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।जैकी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यश चोपड़ा की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, यश चोपड़ा जी, आप हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। यह श्रद्धांजलि उस शख्सियत को समर्पित है, जिन्होंने हिंदी सिनेमा को रोमांस, ड्रामा और मसाला फिल्मों का नया आयाम दिया।

यश चोपड़ा ने 1959 में फिल्म धूल का फूल से बतौर निर्देशक बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद धर्मपुत्र (1961), वक्त, मशाल, त्रिशूल, और दाग जैसी फिल्मों ने उन्हें सफलता दिलाई और उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों का नया दौर शुरू किया।

यश चोपड़ा ने 1973 में यशराज फिल्म्स की स्थापना की, जो आज भी भारतीय सिनेमा का प्रमुख प्रोडक्शन हाउस है। उनकी फिल्में भावनाओं, रिश्तों और जिंदगी के रंगों को पर्दे पर बखूबी उकेरती थीं। अभिनेता जैकी श्रॉफ और यश चोपड़ा ने साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म आईना में साथ में काम किया था। फिल्म में जैकी के साथ अमृता सिंह और जूही चावला मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को यश बैनर तले रिलीज किया गया था। यश चोपड़ा को एक्टर का डायरेक्टर कहा जाता था। वे किरदारों को न सिर्फ गढ़ते थे, बल्कि उन्हें जीवंत करने का हुनर भी रखते थे। उनकी 1981 की फिल्म सिलसिला ने अमिताभ बच्चन, रेखा और जया बच्चन के अभिनय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। यह फिल्म न केवल सिनेमाई दृष्टिकोण से, बल्कि अमिताभ और रेखा की निजी जिंदगी की अफवाहों के कारण भी चर्चा में रही थी। यश चोपड़ा ने इस फिल्म में लव ट्रायंगल को अच्छे से पेश किया था, जो आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। पांच दशकों तक सिनेमा जगत पर राज करने वाले यश चोपड़ा ने चांदनी, लम्हे, डर, दिल तो पागल है, और वीर-जारा जैसी फिल्मों से नए कीर्तिमान हासिल किए। उनकी आखिरी फिल्म जब तक है जान (2012) ने भी दर्शकों का दिल जीता था। यश चोपड़ा की कहानियां आज भी सिनेमाप्रेमियों के दिलों में बसी हैं।

किरदार के पिच-टोन की चिंता नहीं करती

कोंकणा सेन शर्मा ने खोला अभिनय का राज, बोलीं-

मशहूर अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा की वेब सीरीज सर्च- द नैना मर्डर केस रिलीज हो चुकी है। यह दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। कोंकणा ने इस सीरीज के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए अपने अभिनय का राज लोगों के साथ साझा किया है।उन्होंने कहा कि वह आमतौर पर किरदार के लहजे और टोन में तब तक बदलाव नहीं करतीं जब तक निर्देशक उनसे कोई सुझाव न मांगे। कोंकणा सेन ने आईएएनएस को बताया कि वह बस वही करती हैं जो उनके निर्देशक उन्हें बताते हैं क्योंकि आखिरकार यही उनका अपना नजरिया होता है और वह इस प्रक्रिया में दखलअंदाजी करना पसंद नहीं करतीं। कोंकणा सेन ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैं वास्तव में इस बात पर ध्यान नहीं देती कि पिच या टोन क्या होना चाहिए। मैं इसमें सहज महसूस नहीं करती और एक अभिनेता के रूप में कुल मिलाकर यह मेरी जगह नहीं है। इस शो के लिए मैं दो कारणों से बहुत उत्साहित थी, एक यह कि यह फोर्ब्राइडेलसेन नामक एक बेहद सफल शो पर आधारित है, जो एक डेनिश शो है, और मैंने इसका रीमेक देखा है और यह अद्भुत है। इसमें जासूस सारा लुंड हैं, जिनका अपना बहुत बड़ा फैन बेस है। मुझे पता था कि रोहन सिप्पी इसका निर्देशन कर रहे हैं और मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है। मैं उनके साथ बहुत सहज हूं और इसलिए मैं इस किरदार को करने के लिए बहुत खुश और उत्साहित थी।

ऋतिक रोशन के साथ वर्षों बाद फिर दिखेंगे रजत बेदी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं। उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान हैं। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती- परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो।अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा।ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है।मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले।मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।